राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार, 18 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-325 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत में बी.यु.सी और फायर NOC की बिना चल रहे बिल्डिंग पर विभाग की कार्यवाही, दो बिल्डिंग सील

क्रांति समय,सूरत

सूरत शहर में 586 इमारतें बिना बीयूसी के चल रही हैं। इन बिल्डिग में मुख्य रूप से दुकान और अस्पताल शामिल हैं। राज्य सरकार ने बिना बीयूसी के संचालित सभी कोम्शियल कोम्प्लेक्स, दुकान और अस्पतालों को सील करना शुरू कर दिया है।

सीलिंग ऑपरेशन सूरत नगर पालिका ने बिना बीयूसी और फायर एनओसी के धधकते व्यावसायिक भवन को सील करने के लिए व्यापक अभियान चलाया था। मोटा वराछा और अदजान में दो शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को सील कर दिया गया है। राज्य सरकार ने बिना बीयूसी और फायर एनओसी के व्यावसायिक भवनों को तत्काल सील करने का आदेश दिया है, जो प्रत्येक जोन में बड़े

पैमाने पर किए जा रहे हैं। इस मामले की सुनवाई आने वाले दिनों में गुजरात हाई कोर्ट में होगी.राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर हर महानगर के अधिकारियों की बैठक बुलाई है.

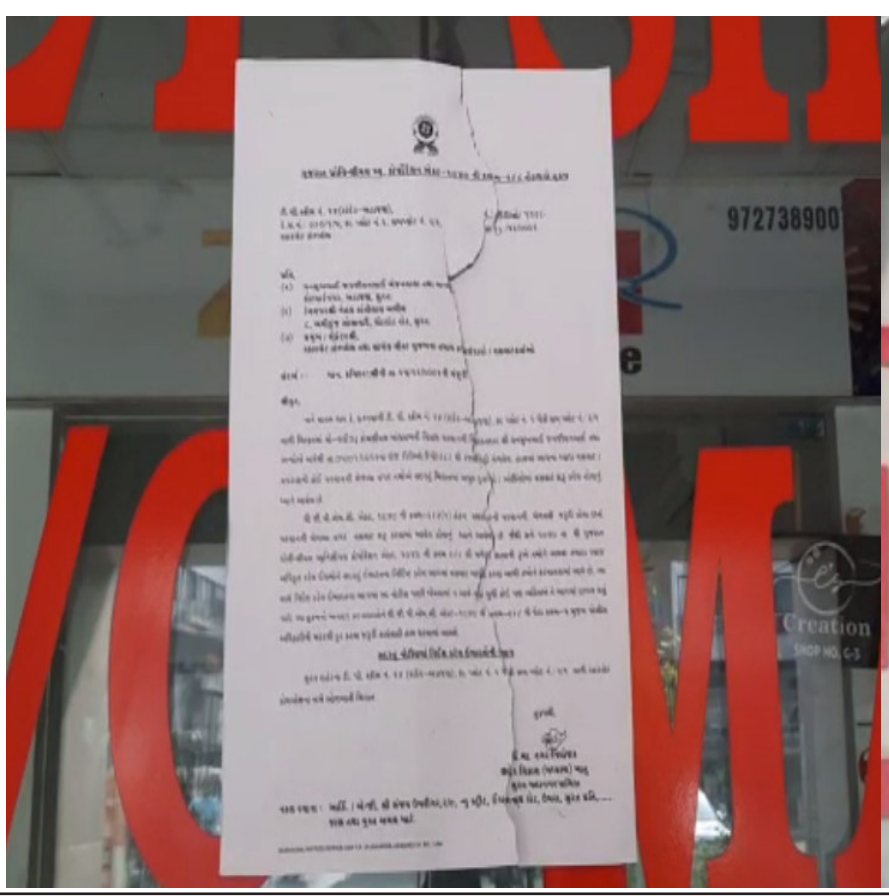

कुछ अस्पताल सील अब तक 145 अस्पतालों को आंशिक रूप से सील किया गया है। बिना बीयूसी और फायर एनओसी के संचालित अस्पतालों के खिलाफ सीलिंग अभियान के दौरान अब तक 115 अस्पतालों को आंशिक रूप से सील किया गया है. आज 30 अस्पतालों को सील कर दिया गया। मरीजों को इलाज के लिए छोड़कर बाकी अस्पताल को सील कर दिया गया है। शहर में 14 से ज्यादा अस्पताल बिना बीयूसी के चल रहे हैं। इन सभी अस्पतालों पर कार्रवाई की जाएगी।

पेपर लीक मामले को लेकर विपक्ष के नेता ने सरकार को आड़े हाथ लिया

गुजरात में पेपर लीक प्रकरण को लेकर राजनीति गर्माती जा रही है। हांलाकि सरकार पेपर लीक होने की बात स्वीकार कर ली है और इस मामले में 10 में से 6 लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है और 4 की तलाश जारी है। गृह

राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने मामले की गहन जांच के आदेश दिए हैं। दूसरी ओर विपक्ष के नेता सुखराम राठवा ने पेपर लीक मामले को लेकर सरकार को आडे हाथ लेते हुए सवाल किया है कि क्या इसमें उसका कोई मंत्री तो शामिल नहीं है? उन्होंने गुजरात के युवाओं से जागृत होने की अपील करते हुए कहा कि जिसके लिए आप मेनहत कर रहे हैं, सरकार से वह रोजगार और नौकरी मिलने वाली नहीं है। हाल ही गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा हेड क्लर्क की परीक्षा ली गई है और इसका पर्चा लीक हुआ है, जिसे सरकार ने भी स्वीकार कर लिया है। यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले 2016 में मुख्य सेविका की परीक्षा पर्चा, 2017 में तलाटी की परीक्षा का पर्चा, टाट की परीक्षा का पर्चा, 2018 में वन विभाग की ली जाने वाली परीक्षा रद्द हुई, एलआरडी की परीक्षा का पेप लीक हुआ, 2019 में सचिवालय क्लर्क की परीक्षा पर्चा लीक हुआ, सब एडिटर पद के लिए हुई परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब हेड क्लर्क की परीक्षा का पेपर लीक हुआ है। इसके बावजूद आपको लगता है कि सरकार आपको नौकरी देगी? सुखराम राठवा ने कहा कि गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल ऐसे भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा है और सरकार को इसकी जांच करानी चाहिए। आरोपी पकड़े गए हैं, किसने किसने क्या किया? इसका भी खुलासा हो गया है। देखना होगा कि सरकार अब किसे बचाती है? उन्होंने कहा कि सरकार को सबक सिखाना है तो युवाओं को जागृत होना पड़ेगा और 2022 के चुनाव में उसे सबक सिखाना होगा।

पेपर लीक कांड के आरोपियों में एक है सरपंच के चुनाव का उम्मीदवार

गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा गत रविवार की ली गई परीक्षा का पर्चा लीक करनेवालों के चेहरे सामने आ गए हैं। पर्चा लीक करने

के आरोपियों में एक आरोपी सरपंच चुनाव का उम्मीदवार है। मामले की जांच कर रही पुलिस के हाथ मंडल के अधिकारी के संलिप्तता के सबूत हाथ लगे हैं। हेड क्लर्क की परीक्षा के पेपर पहुंचाने वाले जयेश पटेल मंडल के साथ जुड़ा होने का जांच में खुलासा होनेके बाद पुलिस ने इस दिशा में जांचतेज की है। पेपर लीक कांड में पुलिस अब तक 10 में से 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि अन्य चार की तलाश जारी है। पर्चा लीक मामले के आरोपियों में सुरेश पटेल, महेश पटेल, महेन्द्र पटेल, कुलदीप पटेल, जयेश पटेल, ध्रुव बारोट, देवल पटेल और चिंतन पटेल समेत 10 शामिल हैं। इन आरोपियों में महेन्द्र पटेल नामक शख्स सरपंच के चुनाव का उम्मीदवार है। साबरकांठा जिले की प्रांतिज तहसील के पोगलु ग्राम पंचायत के चुनाव में महेन्द्र पटेल उम्मीदवारी कर रहा है और गांवभर में उसके समर्थन में बैनर-पोस्टर लगे हैं।

हेड क्लर्क की परीक्षा का पेपर लीक हुआ 6आरोपी गिरफ्तार,4 फरार सरकार ने माना

गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा 10 दिसंबर को ली गई हेड क्लर्क की परीक्षा का पेपर लीक होने की बात सरकार ने स्वीकार कर ली है और इस मामले में आरोपियों के खिलाफ केस भी दर्ज कर लिया गया है। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने यह जानकारी

देते हुए बताया कि सरकार इस मामले में निष्पक्षता से जांच करेगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले में तीन दिनों के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और साबरकांठा के प्रांतिज पुलिस थाने में उनके खिलाफ 406, 409, 420 और 120 के तहत केस दर्ज किया गया है। प्राथमिक जांच में 10 आरोपियों के नाम सामने आए हैं, जिसमें 6 को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि फरार 4 आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। चारों आरोपी हमारे रडार में हैं और पुलिस जल्द ही उन्हें भी दबोच लेगी। हर्ष संघवी ने कहा कि षडयंत्र करनेवाले गिरोह के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी जो भूतकाल में कभी नहीं की गई होगी। इस मामले में 6 मुख्य आरोपी हैं, जिसमें हिम्मतनगर निवासी ध्रुव पटेल, अहमदाबाद के महेश पटेल, प्रांतिज के चिंतन पटेल, हिम्मतनगर के कुलदीप पटेल और दर्शन व्यास और हिम्मतनगर के सुरेश पटेल शामिल हैं। ये सभी छह आरोपी होटल से फार्महाउस तक की घटना में शामिल हैं। हर्ष संघवी ने बताया कि फार्महाउस में आरोपियों की मुलाकात हुई थी और उसके बाद होटल में भोजन करने गए थे। होटल से लौटने के बाद फार्महाउस में पेपर सॉल्व किया गया। उन्होंने बताया कि एक जिले ही जिले में तीन अलग अलग स्थानों पर पेपर सॉल्व किया गया। मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से पूरा मामला सामने आया है और मामला सामने आने के बाद सरकार ने तत्काल राज्य पुलिस और साबरकांठा पुलिस जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस मामले में संलिप्त कोई भी आरोपी भाग न जाए, इसके लिए गृह विभाग ने खास व्यवस्था की है। पुलिस विभाग द्वारा जांच के लिए 24 से अधिक टीमें बनाई गई हैं। हांलाकि पेपर कहां छपा यह फिलहाल बताना उचित नहीं होगा, परंतु पूरे मामले की गंभीरता से जांच जारी है। व्यवस्था में कहां गड़बड़ी हुई या पेपर छपे वहां या फिर स्ट्रोंग रूम से लिक इस बारे में जांच की जा रही है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

सुविचार

देश का उद्धार विलासियों द्वारा नहीं हो सकता। उसके लिए सच्चा त्यागी होना आवश्यक है। - प्रेमचंद

संपादकीय

विवाह की उम्र

भारत में महिलाओं के लिए शादी की न्यूनतम उम्र 18 से बढ़कर 21 होने वाली है, इस फैसले पर बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मुहर लग गई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिशा में इशारा कर दिया था। प्रधानमंत्री ने तब कहा था, 'सरकार बेटियों और बहनों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। बेटियों को कुपोषण से बचाने के लिए जरूरी है कि उनकी सही उम्र में शादी हो।' इसके लिए एक टास्क फोर्स की स्थापना हुई थी, जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कानून मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। टास्क फोर्स ने पुरजोर तरीके से कहा था कि पहली गर्भावस्था के समय किसी महिला की आयु कम से कम 21 साल होनी चाहिए। देर से विवाह होने पर परिवारों की वित्तीय, सामाजिक और स्वास्थ्य की स्थिति मजबूत होती है। देर से शादी होने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि लड़कियों को ज्यादा पढ़ने और आजीविका चुनने का मौका मिलता है। जगजाहिर है कि बड़ी संख्या में लड़कियों की पढ़ाई शादी की वजह से बाधित होती है। मंत्रिमंडल से मंजूरी के बाद भी लड़कियों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र को 21 करने की प्रक्रिया में वक्त लग सकता है, क्योंकि इसके लिए अनेक बदलाव करने पड़ेंगे। बाल विवाह निषेध अधिनियम, विशेष विवाह अधिनियम और हिंदू विवाह अधिनियम में बदलाव जरूरी हैं। कानून में बदलाव के बाद सरकारों को महिलाओं की स्थिति सुधारने पर और ध्यान देना होगा। बेशक, विगत दशकों में बाल विवाह पर काफी हद तक रोक लगी है। लड़कियों की सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और स्वास्थ्य की स्थिति में काफी सुधार आया है, लेकिन अभी भी समाज में एक बड़ा तबका है, जो 18 साल की न्यूनतम विवाह उम्र को नहीं मान रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2020 के आंकड़ों के अनुसार, बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत कुल 785 मामले दर्ज किए गए थे। ध्यान रहे, ये दर्ज मामले हैं, वास्तविक बाल विवाह के मामलों की संख्या बहुत ज्यादा होगी। जो राज्य विकास के मामले में कुछ आगे निकल रहे हैं, वहां लड़कियां स्वयं भी बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाने लगी हैं। यदि विवाह की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होती है, तो सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि लड़कियों का मनोबल बढ़ेगा। वे बाल विवाह जैसे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का साहस करेंगी। परिवार व समाज को बेटी के 21 साल की होने का इंतजार करना पड़ेगा। यहां यह भी जरूर कहना चाहिए कि कानून बनाने से ज्यादा जरूरी है, उसे संपूर्णता में लागू करना। परिवार व समाज को बेटियों के व्यापक विकास के लिए ज्यादा ईमानदारी से सोचना चाहिए। अब भारत में पुरुष और महिला, दोनों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु सीमा 21 हो जाएगी। यहां तक कि अमेरिका में भी ऐसी उच्च सीमा नहीं है। वहां साल 2000 से 2015 के बीच अवयस्कों के दो लाख से ज्यादा वैध विवाह दर्ज हुए थे। लेकिन वह अलग तरह के सामाजिक ढांचे वाला अमीर शिक्षित देश है, जबकि भारत में सामाजिक ढांचा दूसरी तरह का है, यहां कानून बनाकर और उसे ढंग से लागू करके ही आदर्श समानता व समावेशी विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।

आज के कार्टून

प्यास

श्रीराम शर्मा आचार्य

श्रीकृष्ण स्वयं भी महाभारत रोक न सके। इस बात पर महामुनि उत्तंक को बड़ा क्रोध आ रहा था। दैवयोग से भगवान श्रीकृष्ण उसी दिन द्वारका जाते हुए मुनि उत्तंक के आश्रम में आ पहुंचे। मुनि ने उन्हें देखते ही कटु शब्द कहना प्रारंभ किया-आप इतने महाज्ञानी और सामर्थ्यवान होकर भी युद्ध नहीं रोक सके। आपको उसके लिए शाप दे दूं तो क्या यह उचित न होगा? भगवान कृष्ण हंसे और बोले-महामुनि! किसी को ज्ञान दिया जाए, समझाया-बुझाया और रास्ता दिखाया जाए तो भी वह विपरीत आचरण करे, तो इसमें ज्ञान देने वाले का क्या दोष? यदि मैं स्वयं ही सब कुछ कर लेता, तो संसार के इतने सारे लोगों की क्या आवश्यकता थी? मुनि का क्रोध शांत न हुआ। तब भगवान कृष्ण ने अपना विराट रूप दिखाकर कहा-महामुनि! मैंने आज तक किसी का अहित नहीं किया। निष्पाप व्यक्ति चट्टान की तरह सुदृढ़ होता है। आप शाप देकर देख लें, मेरा कुछ नहीं बिगड़ेगा। हां, आपको किसी वरदान की आवश्यकता हो तो हमसे अवश्य मांग लें। उत्तंक ने कहा-तो फिर आप ऐसा करें कि इस मरु स्थल में भी जल-वृष्टि हो और यहां भी सर्वत्र हरा-भरा हो जाए। कृष्ण ने कहा 'तथास्तु' और वहां से आगे बढ़ गए। महामुनि उत्तंक एक दिन प्रातःकालीन भ्रमण में कुछ दूर तक निकल गए। दिन चढ़ते ही धूल भरी आंधी आ गई और मुनि मरु स्थल में भटक गए। जब मरु णों का कोप शांत हुआ, तब उत्तंक ने अपने आपको निर्जन मरु स्थल में पड़ा पाया। धूप तप रही थी, प्यास के मारे उत्तंक के प्राण निकलने लगे। तभी महामुनि उत्तंक ने देखा-चमड़े के पात्र में जल लिये एक चांडाल सामने खड़ा है और पानी पीने के लिए कह रहा है। उत्तंक उत्तेजित हो उठे और बिगड़ कर बोले-शूद्र! मेरे सामने से हट जा, नहीं तो अभी शाप देकर भस्म कर दूंगा। उन्हें साथ-साथ कृष्ण पर भी क्रोध आ गया। जैसे ही शाप देने के लिए उन्होंने मुख खोला कि सामने भगवान श्रीकृष्ण दिखाई दिए। कृष्ण ने पूछा-नाराज न हों महामुनि! आप तो कहा करते हैं कि आत्मा ही आत्मा है, आत्मा ही इंद्र और आत्मा ही साक्षात परमात्मा है। फिर आप ही बताइये कि इस चांडाल की आत्मा में क्या इंद्र नहीं थे? यह इंद्र ही थे, जो आपको अमृत पिलाने आए थे, पर आपने उसे ठुकरा दिया।

सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सबकी राजनीति मोदी के इर्दगिर्द ही घूमती है

- सुरेश हिंदुस्तानी

पिछले दो लोकसभा चुनावों ने जो राजनीतिक दृश्य अवतरित किए, उसके कारण कांग्रेस का राजनीतिक अस्तित्व कोई भी मानने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि इस स्थिति से कांग्रेस के नेतृत्वकर्ता इत्तेफाक नहीं रखते। क्योंकि वह इस बात को मानने के लिए तैयार ही नहीं हैं कि वह आज कमजोर हो चुकी है। क्षेत्रीय दल कांग्रेस से अच्छी स्थिति में हैं। इसी कारण क्षेत्रीय दल की एक मुखिया ममता बनर्जी ने कांग्रेस पर कमजोरी का टैग लगाते हुए आईना दिखाया है, जिसमें कांग्रेस की वर्तमान हालत दृष्टिगोचर हो रही है। वर्तमान राजनीति का एकमात्र उद्देश्य सत्ता प्राप्त करने तक ही सीमित होकर रह गया है। इस कारण लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव जीतकर आया राजनीतिक दल जब सत्ता के सिंहासन पर विराजमान होता है तो उसे सरकार के तौर पर देखने की वृत्ति लगभग समाप्त ही हो गई है, इसीलिए आज विपक्ष, सरकार को भी एक राजनीतिक दल के तौर पर देखने की मानसिकता बनाकर ही राजनीति करने पर उतारू होता जा रहा है। केवल राजनीतिक फलक प्रदर्शित होना ही राजनीति नहीं कही जा सकती, इसके लिए राष्ट्रीय नीति का परिपालन होना भी आवश्यक है। अच्छी बातों का खुले मन से समर्थन करने की वृति से देश में सकारात्मक अवधारणा निर्मित होती है। यह बात सही है कि आज देश ही नहीं, बल्कि विश्व के कई देशों में हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजनीति के केन्द्र बिन्दु हैं। भारत की पूरी राजनीति उनके आसपास ही घूमती दिखाई देती है। चाहे सत्ता पक्ष हो या फिर विपक्ष, बिना मोदी के सबकी राजनीति अधूरी-सी लगती है। वर्तमान में विपक्षी दलों की राजनीति का केवल एक ही उद्देश्य रह गया है, कैसे भी सत्ता प्राप्त की जाए। इसके लिए भले ही झूठ बोलना पड़े। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान ऐसा ही कुछ देखने को मिला, जिसमें एक प्रकरण में राहुल गांधी को माफी भी मांगनी पड़ी। इस प्रकार की राजनीति करना किसी भी प्रकार से उचित नहीं है। पश्चिम बंगाल में तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद यह तय हो गया था कि ममता बनर्जी विपक्ष के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकती हैं, लेकिन बहुत समय निकल जाने के बाद जब विपक्ष ममता बनर्जी के पीछे चलने के लिए तैयार होता दिखाई नहीं दिया, तब स्वयं ममता बनर्जी ने ही कांग्रेस को अप्रासंगिक निरूपित करते हुए अपने आपको विपक्ष के नेता के तौर पर प्रस्तुत करना प्रारंभ कर दिया है। हालांकि इसे राजनीतिक महत्वाकांक्षा का प्रकटीकरण ही माना जाएगा। क्योंकि ममता बनर्जी स्वयं इस तथ्य से परिचित हैं कि तृणमूल कांग्रेस पार्टी का स्वरूप फिलहाल क्षेत्रीय दल की श्रेणी में ही माना जाता है, ऐसे में ममता बनर्जी का यह सपना देखना कि वह केवल अपनी ही पार्टी के सहारे राष्ट्रीय राजनीति का चेहरा बन सकती हैं, कोरी कल्पना ही कहा जाएगा। वर्तमान में राजनीतिक विश्लेषकों के लिए यह मानने के लिए कोई परेशानी नहीं है कि कांग्रेस सहित कोई भी राजनीतिक दल राष्ट्रीय स्तर पर विकल्प बनने की स्थिति में नहीं है। इसके पीछे कांग्रेस की नीतियों को जिम्मेदार माना जा सकता है। क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस ने अपने आपको राजनीतिक रूप से कमजोर किया है, वहीं विपक्ष को एकजुट करने में भी रोड़ा अटकाने का काम भी किया है। इसलिए यह स्पष्ट तौर पर स्वीकार किया जा सकता है कि कांग्रेस ने अपने आपको तो कमजोर किया ही है, साथ ही विपक्ष को भी कमजोर कर दिया है। राजनीतिक अस्तित्व की दृष्टि से देखा जाए तो यह स्पष्ट ही परिलक्षित होता है कि केवल राज्यों में प्रभाव रखने वाले क्षेत्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस से बेहतर स्थिति में हैं। उनका अपना राजनीतिक अस्तित्व बरकरार है। कई राज्यों में कांग्रेस इन क्षेत्रीय दलों का हाथ पकड़कर अपनी डूबती नैया को बचाने के लिए तिनके का सहारा तलाश करती हुई दिखाई देती है। एक समय सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में अपना प्रभाव रखने वाली कांग्रेस की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि वह अकेले चल ही नहीं सकती है। कांग्रेस की स्थिति स्वयं की खड़ी की हुई है। इसलिए आज ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस की भूमिका को अप्रासंगिक करार देना समय के हिसाब से सही ही है। अब ऐसा लग रहा है कि तृणमूल कांग्रेस की मुखिया अपने आपको विपक्ष के नेता के तौर पर प्रस्तुत करके एक नया खेल खेल रही हैं। हालांकि इसके संकेत उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में ही दे दिए थे, लेकिन वर्तमान राजनीति को देखकर ऐसा ही लग रहा है कि कोई भी क्षेत्रीय दल किसी के पीछे जाने की भूमिका में नहीं दिख रहा। आज ममता बनर्जी ने कांग्रेस को आइना दिखाया है, जिसमें कांग्रेस की स्थिति साफ दिखाई दे रही है, लेकिन क्या कांग्रेस इसको स्वीकार कर पाएगी या पहले की तरह ही बिना आत्म मंथन के ही वर्तमान शैली में कार्य करती रहेगी। हम जानते ही हैं कि परदे के पीछे से पूरी कांग्रेस को चलाने वाले राहुल गांधी वर्तमान राजनीति के लिए पूरी तरह से अनफिट हो गए हैं, इसी प्रकार करिश्माई नेतृत्व के तौर पर राजनीति में पदार्पित हुई प्रियंका वाड्रा को भी जिस अपेक्षा के साथ स्थापित करने का प्रयास किया गया, वह भी असफल प्रयोग प्रमाणित हो चुका है। भविष्य में होने वाले चुनावों के लिए विपक्षी राजनीतिक दल अपने आपको किस प्रकार से तैयार करेंगे, यह कहना फिलहाल जल्दबाजी ही होगी, लेकिन इतना तय है कि किसी एक दल का इतना राजनीतिक प्रभाव नहीं है कि वह राष्ट्रीय विकल्प के रूप में स्थापित हो जाए। इसलिए स्वाभाविक रूप से यही कहा जाएगा कि आने वाले समय में फिर से गठबंधन की कवायद भी होगी। जिसमें सभी दल अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित करेंगे ही। कांग्रेस की स्थिति भी कुछ खास नहीं है, इसलिए वह भी ऐसा ही प्रयास करेगी, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस की सुनेगा कौन? जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अपने ही नेताओं की अनदेखी करने की राजनीति कर रहे हैं, तब दूसरे से कैसे आशा की जा सकती है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के दिग्गज नेता अपने नेतृत्व पर सवाल खड़े कर चुके हैं और कई प्रभावी राजनेता कांग्रेस छोड़कर जा चुके हैं। ऐसे में अब कांग्रेस से किसी चमत्कार की आशा करना अंधेरे में सुई ढूंढ़ने जैसा ही कहा जाएगा। हालांकि यह राजनीति है, कब कैसी तसवीर बन जाए, कहा नहीं जा सकता।

(लेखक राजनीतिक चिंतक व विचारक हैं)

ढाई सौ साल बाद बेमिसाल विकास

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

सदियों बाद गरिमा के अनुरूप काशी का प्रगति पथ प्रशस्त हुआ। इस दृष्टि से विगत सात वर्ष महत्वपूर्ण रहे। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के पहले ही यहां के विकास की कल्पना की थी। शायद इसीलिए उन्होंने काशी यात्रा के दौरान कहा था कि मैं यहां आया नहीं हूं बल्कि मां गंगा ने बुलाया है। यह भी संयोग था कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के तीन वर्ष बाद योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उसके बाद यहां के विकास कार्यों को गति मिली। यह कार्य शासन की रूटीन गतिविधियों से संभव नहीं था। इसके लिए तीर्थ स्थल विकास का भावनात्मक धरातल भी आवश्यक होता है। कार्य तो पहले भी हुए किंतु काशी को विश्वस्तरीय तीर्थाटन स्थल के रूप में प्रतिष्ठित करने का विचार और विजन पहले नहीं था। नरेंद्र मोदी ने काशी को क्वेटो की तरह सुविधा संपन्न बनाने का संकल्प लिया था। इसके पीछे काशी को पौराणिक महिमा के अनुरूप विकसित करने का ही विचार था। दुनिया की सर्वाधिक प्राचीन इस नगरी के प्रति देश-विदेश के असंख्य लोगों की आस्था है। स्वतंत्रता के बाद से ही काशी के समग्र विकास का अभियान प्रारंभ होना चाहिए था किंतु ऐसा नहीं हो सका। जबकि इसी अवधि में क्वेटो जैसे दुनिया के अनेक नगरों को विश्वस्तरीय बना दिया गया। करीब ढाई शताब्दी के बाद आस्था के प्रमुख केंद्र श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। महारानी अहिल्या बाई होल्कर द्वारा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनरुद्धार कराया गया था। उनके बाद नरेंद्र मोदी ने इसका संकल्प लिया। यह संकल्प अब साकार हुआ है। नरेंद्र मोदी द्वारा श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर लोकार्पण किया गया। इसके दृष्टिगत पहले से पर्व की भांति भव्य काशी दिव्य काशी कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार काशी पहुंच कर संबंधित तैयारियों को देखा और समीक्षा की थी। अधिकारियों को समयबद्ध कार्य करने के लिए निर्देशित किया था। गंगा घाटों के साथ शहर की प्रमुख इमारतों व सरकारी भवनों की विशेष रूप से सजावट एवं लाइटिंग कराई गई। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में डिजिटल डोनेशन की व्यवस्था की गई। काशी का डिजिटल मैप बनाया गया। भजन कीर्तन मंडलियों को संस्कृति विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान फाइन आर्ट के छात्र-छात्राएं शहर के प्रमुख स्थानों पर अपनी पेंटिंग्स का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन पूरे एक माह तक किए जाने की रूपरेखा बनायी गई है। काशी के पुनरुद्धार और श्री काशी विश्वनाथ धाम के इतिहास की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाएगी। योगी आदित्यनाथ ने जनपद वाराणसी के सीर गोवर्धन स्थित संत रविदास मंदिर क्षेत्र के पर्यटन विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के अनुसार सीर गोवर्धन के पर्यटन विकास का कार्य करोड़ों रुपये की लागत से कराया जा रहा है। सीर गोवर्धन स्थित संत रविदास मंदिर के निकट परियोजना विस्तारीकरण कार्य प्रगति पर है। यहां उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा लंगर भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। पार्क निर्माण के लिए अब तक साठ प्रतिशत जमीनों का अधिग्रहण किया जा चुका है। यहां श्री गुरु रविदास की कांस्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके अलावा अनुयायियों व दर्शनार्थियों के सुगम यातायात हेतु तीन मार्गों, ट्रॉमा सेंटर से संत रविदास मंदिर मोड़ तक, रविदास मंदिर मोड़ से नेशनल हाइवे तक सड़क का सुदृढ़ीकरण तथा रविदास मंदिर से लंगर हाल होते हुए नेशनल हाइवे तक सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। लोकर्पण की पूर्व संध्या पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्री काशी विश्वनाथ धाम से काशी को वैश्विक पहचान मिलेगी। लगभग सौ वर्ष पहले महात्मा गांधी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में आए थे। उस उन्होंने यहां की गलियों और दुर्व्यवस्था को देखकर तीखी टिप्पणी की थी। उन्हें यहां की दशा देखकर निराशा हुई थी। किंतु इन सौ वर्षों तक किसी का ध्यान उस ओर नहीं गया। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का अपना प्राचीन इतिहास है। लगभग एक हजार वर्षों तक इस मंदिर ने अनेक दौर देखे हैं। विदेशी आक्रांताओं के हमले को भी झेला है। मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु महारानी अहिल्या बाई, महाराणा रणजीत सिंह ने अपने-अपने समय में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज काशी विश्वनाथ धाम का अलौकिक, भव्य एवं दिव्य रूप में प्रतिष्ठित है। योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सू-दोकू नवताल -1993

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

सू-दोकू 1992 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 1993

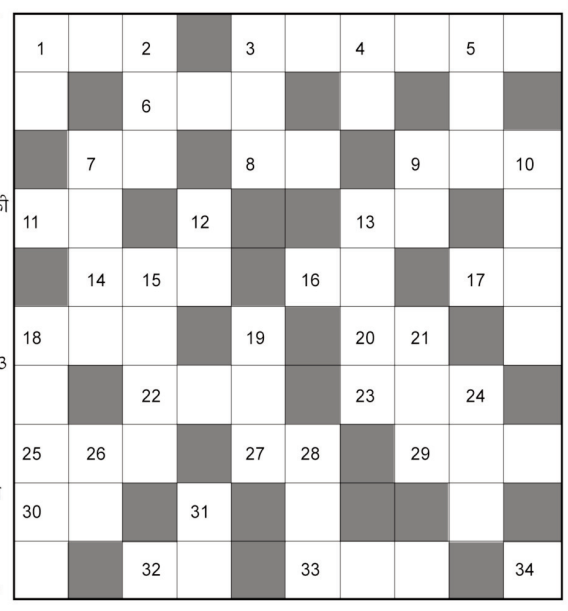

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान खान, जॉन अब्राहम, हेमा, रानी मुखर्जी की एक फिल्म-3
3. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर अभिनीत एक फिल्म-3,3
6. तुषार कपूर की 'दिलकश ये एहसास है' गीत वाली फिल्म-3
7. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली अजग देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
8. मिलिंद सोमण, राज जुत्शी की 'गोरी तोरे नैना बावरे' गीत वाली फिल्म-2
9. धर्मेंद्र, जीतेंद्र, हेमा की गुलजार निर्देशित फिल्म-3
11. सनी देओल, तब्बू की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
13. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली फिल्म-2
14. सलमान खान, किरण झवेरी की एक फिल्म-3
16. राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
17. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
18. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
20. 'मुंडिया तो बच के' गीत वाली फिल्म-2
22. अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-3
23. 'फिर छिड़ी बात, बात फूलों की' गीत वाली फिल्म-3
25. अभिषेक, अजय देवगन, बिपाशा अभिनीत फिल्म-3
27. फिल्म 'हवस' में अनिल धवन की नायिका-2
29. सनी, सुनील शेट्टी की फिल्म-3
30. सुनील शेट्टी की पत्नी का नाम-2
32. 'दिल ने ये जाना' गीतवाली फिल्म-2
33. 'जिंदगी इम्तिहान लेती है' गीतवाली फिल्म-3
34. 'आई ने के सौ टुकड़े' गीतवाली फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. राजेश खन्ना, हेमा, दीपक पाराशर की फिल्म-2
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'जिन्हें हम भूलना चाहें' गीत वाली फिल्म-3
4. फिल्म 'शीशा' में सोनू सूद की नायिका-2
5. विनोद खन्ना, महमूद, भारती की फिल्म-3
7. किशोर कुमार, माला सिन्हा की 'तोड़ो ना दिल बेकरार का' गीत वाली फिल्म-4
9. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
10. शाहरुख, विवेक मुशरान, जुही चावला की फिल्म-4
12. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
13. 'मेरे नैना सावन भादों' गीतवाली फिल्म-4
15. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
18. 'चोरों को सारे नजर आते हैं चोर' गीतवाली फिल्म-2,3
19. विनोद खन्ना, ऋषि, श्रीदेवी, जूही की फिल्म-3
21. 'मेरे गाल छुए जो तू' गीतवाली फिल्म-3
24. राहुल खन्ना, जिम्मी शेरगिल तनुश्री दत्ता की फिल्म-3
26. मंगेशकर बहनों में सबसे छोटी बहन का नाम क्या है?-2
28. अमिताभ, अमृता सिंह, मीनाक्षी की फिल्म-3
31. 'मखमली ये बदन' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1992

रि	श्ते		अं	दा	ज		अ	ल	ग
स्क		रा	जा		ख्म		ध		र
	अ	ज	न	बी		जु	र्म		म
बे		पू		स		ल्मी		प्रे	म
ता	क	त		सा	थी		दि		सा
ब			फू	ल		अ	ल	बे	ला
	का	श		बा	द	ल		टा	
म		बा	रू	द		हि	ना		वि
ह	सी	ना			लै	ला		दा	वा
ल			रे	ड		ल	क्ष्य		ह

एसकेए ग्रुप नोएडा में आवासीय परियोजना के लिए 400 करोड़ रुपए निवेश करेगी

नई दिल्ली: जमीन जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनी एसकेए ग्रुप नोएडा में एक लग्जरी आवासीय परियोजना के निर्माण के लिए अगले पांच साल में 400 करोड़ रुपए निवेश करेगी। एसकेए ग्रुप ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि कंपनी अपनी नई परियोजना 'एसकेए ओरियन' के तहत नोएडा एक्सप्रेसवे के पास करीब 3.5 एकड़ जमीन पर 508 इकाइयों का निर्माण करेगी। एसकेए ग्रुप के निदेशक संजय शर्मा ने कहा, हमने नोएडा में एक नई आवास परियोजना शुरू की है। परियोजना की कुल लागत 400 करोड़ रुपए है। इसमें से 300 करोड़ रुपए निर्माण लागत है तथा 100 करोड़ रुपए भूमि खरीद की लागत है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए निवेश राशि इक्विटी वित्त पोषण, आंतरिक संसाधन और बिक्री के बदले ग्राहकों से अग्रिम भुगतान के जरिए जुटाई जाएगी। नोएडा की एसकेए ग्रुप ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में अब तक चार परियोजनाएं पूरी की हैं तथा पांच परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं।

दूसरी पीढ़ी की होंडा अमेज की खुदरा बिक्री दो लाख के पार

मुंबई । होंडा कार्स इंडिया ने कहा कि उसकी दूसरी पीढ़ी की 'अमेज' कार की खुदरा बिक्री देश में दो लाख इकाईयों का आंकड़ा पार कर गई है। कंपनी ने दूसरी पीढ़ी की कॉम्पैक्ट सिडान कार 'अमेज' मई 2018 में बाजार में उतारी थी।यह भारत में होंडा के सबसे सफल मॉडल में से एक है। अप्रैल 2013 में इसकी पहली पीढ़ी के मॉडल को बाजार में उतारा गया था तब से इसकी 4.6 लाख से अधिक इकाइयों की बिक्री की जा चुकी है। होंडा कार्स इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि अमेज की दूसरी पीढ़ी के मॉडल की 2,00,000 वीं इकाई की आपूर्ति करना होंडा कार्स इंडिया के लिए गौरव का क्षण है।

टाटा मोटर्स ने वाहन कबाड़ केंद्र स्थापित करने राज्य सरकार से हाथ मिलाया

मुंबई । टाटा मोटर्स ने महाराष्ट्र राज्य में पंजीकृत वाहन कबाड़ केंद्र (स्क्रैपिंग) स्थापित करने में मदद के लिए राज्य सरकार के साथ हाथ मिलाया है। टाटा मोटर्स ने बताया कि उसने वाहन कबाड़ केंद्र स्थापित करने में मदद के लिए राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के अनुसार वाहन कबाड़ केंद्र में प्रति वर्ष 35,000 पंजीकृत यात्री एवं वाणिज्यिक वाहनों को कबाड़ में बदलने की क्षमता होगी। टाटा मोटर्स ने कहा कि राज्य सरकार के उद्योग, ऊर्जा एवं श्रम विभाग इस केंद्र की स्थापना के लिए नियमों और कानून के अनुसार आवश्यक मंजूरी प्रदान करने में सहयोग करेंगे। कंपनी ने इसके पहले अहमदाबाद में वाहन कबाड़ केंद्र स्थापित करने के लिए गुजरात सरकार के साथ भी समझौता किया था।

संयुक्त राष्ट्र ने स्वच्छ ऊर्जा के लिए एनटीपीसी की प्रतिबद्धता की सराहना की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी को स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े उसके प्रयासों के लिए संयुक्त राष्ट्र से प्रशंसा पत्र मिला है। कंपनी ने कहा, देश की सबसे बड़ी एकीकृत ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी लि. को एनर्जी कॉम्पैक्ट (पहल) प्रक्रिया की दिशा में अपने प्रयासों और प्रतिबद्धताओं के लिए, सर्व सतत ऊर्जा महासचिव और संयुक्त राष्ट्र-एनर्जी सह-अध्यक्ष की विशेष प्रतिनिधि सुश्री दामिलोला ओगुनबियी से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ।कंपनी के बयान के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र-ऊर्जा (संयुक्त राष्ट्र का एक तंत्र) ने स्वच्छ ऊर्जा के संबंध में एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को स्वीकार किया है और एनर्जी कॉम्पैक्ट एक्शन नेटवर्क में इसका स्वागत किया है। एनटीपीसी ने 2030 तक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की रूपरेखा तैयार करने वाले एनर्जी कॉम्पैक्ट के लिए अपनी योजनाएं प्रस्तुत की हैं।

RBI सेंट्रल बोर्ड की अहम बैठक, क्रिप्टोकरेंसी और CBDC पर हुई चर्चा

बिजनेस डेस्क।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सर्वोच्च नीति-निर्धारक संस्था केंद्रीय बोर्ड ने केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) और निजी क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े तमाम पहलुओं पर शुक्रवार को चर्चा की। सरकार क्रिप्टोकरेंसी के नियमन के लिए कानून लाने की तैयारी में है। संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में क्रिप्टोकरेंसी एवं आधिकारिक डिजिटल मुद्रा नियमन विधेयक 2021 को पेश करने की योजना है। हालांकि सूत्रों के मुताबिक इस विधेयक के अब इस अधिवेशन में पेश होने की संभावना कम ही दिख रही है। आरबीआई ने अपने एक बयान में कहा कि उसके केंद्रीय निदेशक मंडल की बैठक लखनऊ में गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुआई में हुई। इस बैठक में सीबीडीसी और निजी क्रिप्टो मुद्राओं से संबंधित तमाम पहलुओं पर चर्चा की गई। आरबीआई ने बैंक नोट की परिभाषा में संशोधन के लिए अपने गठन से संबंधित आरबीआई अधिनियम 1934 में संशोधन का प्रस्ताव सरकार के समक्ष रखा है। इसमें डिजिटल मुद्राओं को भी शामिल करने की योजना है। रिजर्व बैंक क्रिप्टोकरेंसी के खिलाफ कई बार राय व्यक्त कर चुका है। वह इसे देश की वित्तीय स्थिरता के लिए गंभीर मानता है। इसी वजह से वह आने वाले समय में अपने नियमन में एक डिजिटल मुद्रा सीबीडीसी लाने की तैयारी में है। आरबीआई ने अपने बयान में कहा कि केंद्रीय बोर्ड ने मौजूदा आर्थिक हालात एवं चुनौतियों की भी समीक्षा की। वर्तमान घरेलू एवं वैश्विक हालात के मद्देनजर जरूरी कदमों पर भी गौर किया गया। इस बैठक में डिप्टी गवर्नर महेश कुमार जैन, माइकल देबव्रत पात्रा, एम राजेश्वर राव और टी रवि शंकर भी मौजूद थे।

अक्षय ऊर्जा के लिए लिंडे इंडिया 28.7 करोड़ रुपए निवेश करेगी

कोलकाता:

औद्योगिक गैस क्षेत्र की कंपनी लिंडे इंडिया के निदेशक मंडल ने कंपनी की मर्चेंट एयर सेपरेशन इकाईयों की खातिर अक्षय ऊर्जा की व्यवस्था करने के लिए 28.7 करोड़ रुपए के पूंजी व्यय का प्रस्ताव मंजूर कर लिया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह सौर ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र की कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यम समझौते करेगी। बयान में कहा गया कि महाराष्ट्र के तालोजा, गुजरात के दाहेज स्थित संयंत्र और आंध्र प्रदेश के श्री सिटी में निर्माणाधीन संयंत्र में 'मर्चेंट एयर सेपरेशन इकाईयों' के वास्ते अक्षय ऊर्जा प्राप्त करने के लिए कंपनी के निदेशक मंडल ने 28.7 करोड़ रुपए के पूंजी व्यय को मंजूरी दे दी है।

क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में भारी गिरावट, Bitcoin, एथेरियम और डॉगकॉइन भी हुआ कमजोर

बिजनेस डेस्क:

पिछले 24 घंटों के दौरान क्रिप्टोकरेंसी के मार्केट में गिरावट देखने को मिली है। इस दौरान क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट कैप 2.2त्न घटकर 2.34 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। इसकी वजह है बिटक्वॉइन सहित अन्य क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में गिरावट। कीमतें नीचे आने की वजह से बिटक्वॉइन निवेशकों को तगड़ा नुकसान हो गया है। **CoinGecko** के अनुसार पिछ्ले 24 घंटों में बिटक्वॉइन की कीमतें 2.4% नीचे आकर 47,807.03 डॉलर पर ट्रेड कर रही थी। वहीं, आज **Ethereum** की कीमतें 2.0 प्रतिशत घटकर 3,976.49 पर ट्रेड कर रही थी। डॉगकॉइन की कीमतों में भी 3.7 प्रतिशत की गिरावट पिछले 24 घंटों के दौरान देखने को मिली है। शीबा इनु की ताजा कीमतों में आज सुबह 3.5% की गिरावट देखी गई है। जिसके बाद यह 0.00003295 डॉलर पर ट्रेड कर रही थी। इसके अलावा पॉलीगॉन, पोलकाडॉट, लिटकोइन, चेनलिंक और कार्डानो की कीमतों में भी पिछले 24 घंटों के दौरान गिरावट देखने को मिली है।

चौतरफा बिकवाली से सेंसेक्स ने लगाया 889 अंक का गोता, निफ्टी 17,000 के नीचे उतरा

मुंबई:

शेयर बाजारों में शुक्रवार को चौतरफा बिकवाली से जोरदार गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 889 अंक का गोता लगाकर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने से बाजार में गिरावट दर्ज की गई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 889.40 अंक यानी 1.54 प्रतिशत लुढ़क कर 57,011.74 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 263.20 अंक यानी 1.53 प्रतिशत का गोता लगाकर 16,985.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में इंडसइंड बैंक रहा। इसके अलावा कोटक बैंक, एचयूएल, टाइटन, बजाज फिनसर्व और एचडीएफसी में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में इन्फोसिस, एचसीएल टेक, पावर ग्रिड और टीसीएस शामिल हैं। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, ''विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली से दोनों मानक सूचकांक (सेंसेक्स और निफ्टी) नीचे आए और निफ्टी 17,000 के नीचे आ गया। क्षेत्रवार सूचकांकों में एकमात्र आईटी सूचकांक ही बढ़त में रहे।'' एशिया के अन्य बाजारों में चीन में शंघाई कंपोजिट सूचकांक, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की नुकसान में रहे जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में कुल मिलाकर गिरावट का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73.91 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

आधार कार्ड को लेकर क्या है प्लान?

बिजनेस डेस्क:

आधार कार्ड के जरिए केंद्र सरकार ने खूब पैसे बचाए हैं। इससे लाभार्थियों की पहचान करने में भी आसानी हुई है। एक इंटरव्यू में **UIDAI** के **CEO** सौरभ गर्ग ने कहा कि आधार कार्ड के जरिए केन्द्र सरकार ने 2.25 लाख करोड़ रुपए की बचत की है। आधार की सिक्योरिटी पर उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉक चेन और मशीन लर्निंग जैसी टेक्नालॉजी की मदद आने वाले समय में ली जा सकती है। उन्होंने कहा, 'केन्द्र सरकार की 300 योजनाएं और राज्य सरकार की 400 योजनाएं आधार से लिंक हैं। डायरेक्ट बेनफिट ट्रांसफर के जरिए सरकार ने 2.25 लाख करोड़ रुपए की बचत की है। यह आंकड़ा सिर्फ केन्द्र सरकार का है अगर हम इसमें राज्य सरकार को भी जोड़ दें तो इससे कहीं ज्यादा फायदा हुआ होगा।' वे आगे कहते हैं, 'कोविड-19 के दौरान सरकार ने आधार की मदद से जरूरतमंद लोगों को पैसा भेजा। लोग अपने बगल की दुकान के माइक्रो एटीएम के जरिए वो पैसा आसानी से निकाल पा रहे हैं। इसके लिए उन्हें बैंक जाने की भी जरूरत नहीं है। आधार ने समान्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है।'

आधार कार्ड को लेकर क्या है प्लान?

साल 2010 से सरकार ने आधार नंबर का आवंटन कर रही है। सौरभ गर्ग आधार कार्ड को लेकर बन रहे प्लान पर कहते हैं, 'हम अब अगले 10 साल को लेकर प्लान बना रहे हैं। हाल ही में हम आधार 2.0 कॉनक्लेव किया था जहां हम लोगों ने नए विचारों को आमंत्रित किया है।' वे बताते हैं कि हम तीन से चार चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सौरभ गर्ग कहते हैं कि हमारा पहला फोकस है कि लोग घर बैठे अपने कंप्यूटर के जरिए अपनी जानकारी अपडेट कर सकें। 1.5 लाख पोस्टमैन भी गांव-गांव जाकर ये जानकारी अपडेट करवाएंगे। इंटरव्यू में सौरभ बताते हैं, 'हम 50 हजार आधार सेंटर खोलने जा रहे हैं, जो देश के 6.5 लाख गांवों को कवर करेगा। साथ ही हम ऐसा एप डिजाइन कर रहे हैं जिससे लोग मोबाइल से ही जानकारी अपडेट करने के साथ-साथ ट्रांजैक्शन कर पाएंगे।' वो कहते हैं कि हमारा फोकस आधार से पैन को लिंक करने, मोबाइल सिम, राशन जैसी सुविधाओं को भी आधार से जोड़ने की है। सौरभ बताते हैं, 'हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉक चेन, मशिन लर्निंग जैसी टेक्नालॉजी का प्रयोग करके इसे और सुरक्षित बनाना चाहते हैं। हमारा ध्यान आधार कार्ड से जुड़ी जानकारी की प्राइवेसी बनाए रखने पर भी है।'

एक माह में हुई 25 लाख शादियां, सोने की मांग ने तोड़ा 7 साल का रिकॉर्ड

बिजनेस डेस्क:

भारत में शादी सीजन अपने पीक पर है। कोरोना के मामलों में कमी और ढील देने के चलते एक अनुमान के मुताबिक, नवंबर मध्य से अब तक देश में 25 लाख के करीब शादियां हुई हैं। यह इस साल की अनुमानित कुल शादियों का लगभग एक तिहाई है, जिसका सबसे बड़ा फायदा ज्वेलर्स को हुआ है। बीते दो सालों में कोरोना के चलते शादियां लगातार टलती जा रही थी जिसके चलते ज्वेलर्स के कारोबार पर असर पड़ा था लेकिन ये साल उनके लिए शानदार रहा है।

सोने का रिकॉर्ड आयात

इस शादियों के सीजन और फेस्टिव सीजन के चलते भारत में सोने के आयात में रिकॉर्ड बढ़ोतरी देखने को मिली है। आंकड़ों के मुताबिक इस साल भारत ने 900 टन सोने का आयात किया है जो पिछले 7 सालों में सबसे ज्यादा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल भारत में लगभग 350 टन से अधिक सोने का आयात हुआ था। 2020 के मुकाबले सोने की कीमतों में नरमी, अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने और रिकॉर्ड संख्या में शादियों के चलते सोने की मांग में बढ़ोतरी आई है।

जारी रह सकती मांग में तेजी

सोने के खपत के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। भारत अपने सोने के खपत के लिए पूरी तरह आयात पर निर्भर है। अगर कोरोना के नए वैरिएंट ने अपना असर नहीं दिखाया तो माना जा रहा है कि 2022 में भी रिकॉर्ड शादियां होंगी जिसके चलते सोने की मांग में जबरदस्त तेजी देखने को मिल सकती है। जिसके चलते अगले साल भी सोने के आयात में रिकॉर्ड बढ़ोतरी आ सकती है।

अब टूटेगा 10 साल का रिकॉर्ड

भारत में सोने की खरीदारी त्योहारों और शादियों के सीजन यानि अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में अपने चरम पर होती है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का अनुमान है कि इस साल दिसंबर तिमाही के दौरान भारत में सोने की बिक्री एक दशक के रिकॉर्ड पैमाने पर होगी।

बैंक हड़ताल दूसरे दिन भी जारी, देश भर में सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली:

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लाखों कर्मचारियों ने सरकारी बैंकों के निजीकरण के विरोध में शुक्रवार को अपनी हड़ताल जारी रखी। हड़ताल का यह दूसरा दिन है और इससे देश भर में इन बैंकों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। यह हड़ताल अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी), अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) और राष्ट्रीय बैंक कर्मचारी संगठन (एनओबीडब्ल्यू) सहित नौ बैंक संघों के मंच यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) ने बुलाई है। कर्मचारी चालू वित्त वर्ष में दो और सरकारी बैंकों की निजीकरण करने के सरकार के फैसले के खिलाफ हड़ताल कर रहे हैं। दो दिन की इस हड़ताल के कारण बृहस्पतिवार को भी बैंकों की सेवाएं प्रभावित हुई थीं। इन बैंकों के ग्राहकों को बैंको का कामकाज बंद होने की वजह से जमा और निकासी, चेक समाशोधन और ऋण मंजूरी जैसी सेवाएं ठप होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय स्टेट बैंक सहित सरकारी बैंकों ने ग्राहकों को पहले ही सूचित कर दिया था कि हड़ताल के कारण उनकी शाखाओं में सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि निजी क्षेत्र के बैंकों खासकर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे नयी पीढ़ी के निजी बैंकों में कामकाज सामान्य दिनों की तरह जारी रहा। एआईबीईए के महासचिव सी एच वेंकटचलम ने कहा कि हड़ताल राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले सरकारी बैंकों के निजीकरण के सरकार के फैसले के खिलाफ हो रही है।

एआईबीओसी के महासचिव सौम्य दत्ता ने कहा कि देश भर में लाखों बैंक कर्मचारी दो दिन की हड़ताल में हिस्सा ले रहे हैं। गौरतलब है कि फरवरी में पेश केंद्रीय बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्र की विनिवेश योजना के तहत दो सरकारी बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। निजीकरण की सुविधा के लिए, सरकार ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2021 को संसद के मौजूदा सत्र के दौरान पेश करने और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है।

फ्लिपकार्ट अगले साल ला सकती है अपना आईपीओ

बिजनेस डेस्क:

वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट अगले साल नवंबर या दिसंबर महीने में अपना बहुप्रतीक्षित इनीशियल पब्लिक ऑफर **(IPO)** ला सकती है। हालांकि यह **IPO** भारत में नहीं, बल्कि विदेशी शेयर बाजारों में लिस्ट हो सकता है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में फ्लिपकार्ट के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति के हवाले से यह दावा किया जा रहा है। वहीं एक अंग्रेजी बिजनेस अखबार की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि बाजार की परिस्थितियां कंपनी के अनुकूल नहीं रहने पर यह **IPO** मार्च 2023 तक भी खींच सकता है। अखबार में कहा गया है कि कृष्णमूर्ति ने हाल ही में अपने कंपनी के कुछ चुनिंदा ग्रुप एग्जिक्यूटिव्स के साथ मीटिंग की थी, जिसमें आईपीओ को लेकर यह चर्चा हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कृष्णमूर्ति ने मीटिंग में यह भी कहा कि आईपीओ से पहले ग्रॉसरी बिजनेस का विस्तार कंपनी के लिए एक अहम कदम है। शायद यही वजह है कि **Flipkart** ने इस हफ्ते की शुरुआत में ताजा उत्पादों की सप्लाई करने वाली कंपनी निंजाकार्ट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लिपकार्ट विदेशों में लिस्टिंग की योजना पर विचार कर रहा है। कंपनी अगले साल जनवरी-मार्च तिमाही में प्री-आईपीओ राउंड आयोजित पर भी विचार कर रही है ताकि शेयर बाजार में आने से पहले अपने सही वैल्यूएशन को स्थापित कर सके। बेंगलुरू मुख्यालय वाली फ्लिपकार्ट ने इस साल जुलाई में 37.6 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर 3.6 अरब डॉलर जुटाए थे। इस फंडिंग राउंड में सबसे अधिक निवेश सिंगापुर मुख्याल वाली **GIC**, कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड (**CPP** निवेश), सॉफ्टबैंक विजन फंड 2 और वॉलमार्ट ने किया था। टाइगर ग्लोबल और कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी सहित अन्य प्रमुख निवेशकों ने भी इस दौर में भाग लिया। वॉलमार्ट ने 2018 में एक फ्लिपकार्ट की 77 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली थी, जिसके बाद इसके फाउंजर सचिन बंसल और बिन्नी बंसल इससे अलग हो गए। वॉलमार्ट के पास फिलहाल फ्लिपकार्ट की 75 फीसदी हिस्सेदारी है।

घरेलू हवाई यात्री नवंबर में 17प्रतिशत बढ़कर 1.05 करोड़: DGCA

बिजनेस डेस्क:

नागरी उड्डयन महानिदेशालय ने शुक्रवार को कहा कि हवाई यात्रा करने वाले घरेलू यात्रियों की संख्या नवंबर में 17.03 प्रतिशत बढ़कर 1.05 करोड़ हो गई जबकि अक्टूबर में ये संख्या 89.85 लाख रही थी। सभी एयरलाइंस में इंडिगो ने नवंबर में 57.06 लाख यात्रियों को लेकर उड़ान भरी एवं 54.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ घरेलू एयरलाइन बाजार में अपना दबदबा बनाया। 10.78 लाख यात्रियों के साथ स्पाइसजेट की 10.3 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

अन्य एयरलाइंस में एयर इंडिया, गो फर्स्ट (जिसे पहले गोएयर के नाम से जाना जाता था), विस्तारा, एयरएशिया इंडिया और एलायंस एयर सहित अन्य एयरलाइनों ने नवंबर में क्रमशः 9.98 लाख, 11.56 लाख, 7.93 लाख, 6.23 लाख और 1.20 लाख यात्रियों को लेकर उड़ान भरी। मिंट की खबर के अनुसार एविएशन रेगुलेटर ने कहा कि जनवरी-नवंबर 2021 के दौरान घरेलू एयरलाइनों द्वारा उड़ान भरे हुए यात्रियों की संख्या 726.11 लाख थी, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 556.84 लाख थी, जिसमें सालाना 30.40त्न और मासिक आधार पर 65.50त्न का इजाफा दर्ज किया गया। कोरोनावायरस महामारी की वजह से देश में लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के कारण विमानन सेक्टर बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

हालांकि दो महीने के अंतराल के बाद पिछले साल 25 मई को देश में घरेलू यात्री उड़ानें फिर से शुरू की गईं लेकिन इस इंडस्ट्री में फिर से तेजी देखने को नहीं मिली।

भारत मस्त पाकिस्तान पस्त, क्रिकेट में मिली हार का टीम इंडिया ने लिया बदला

मुंबई (एजेंसी)।

ढाका। चाहे मैदान कोई भी हो, पाकिस्तान को हराकर जीत का स्वाद चखना हर भारतीय को काफी पसंद आता है। एक बार फिर से भारत ने पाकिस्तान को मात दी है। भारत में यह मात ना तो बॉर्डर पर दी है और ना ही क्रिकेट के मैदान में। दरअसल, भारतीय हॉकी टीम ने पाकिस्तान को एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में करारी शिकस्त दी है। भारत ने पाकिस्तान को 3-1 से हरा दिया है। इसके साथ ही भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाते हुए चैंपियन्स ट्राफी (एसीटी) पुरुष हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग सुनिश्चित की। भारत की ओर से हरमनप्रीत ने आठवें और 53वें मिनट में दो पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जबकि तोक्यो ओलंपिक की टीम में जगह नहीं बना पाने वाले आकाशदीप ने 42वें मिनट में मैदानी गोल किया जो उनका टूर्नामेंट में दूसरा गोल है पाकिस्तान की तरफ से एकमात्र गोल जुनैद मंजूर ने 45वें मिनट में किया।

भारत की इस जीत के बाद खेल प्रेमी गदगद हैं। उन्हें लग रहा है कि भारत टी-20 विश्व कप में क्रिकेट के मैदान पर मिली हार का बदला पाकिस्तान से ले लिया है। यही कारण है कि हर भारतीयों में इस वक्त जश्न देखा जा रहा है। आपको बता दें कि 24 अक्टूबर को पाकिस्तान की टीम में ञ20 वर्ल्ड कप में भारत को 10 विकेट से हरा दिया था। यह पहला मौका था जब भारत ने

आईसीसी विश्व कप में पाकिस्तान से हार का सामना किया था। ढाका में मिली इस जीत के साथ ही भारत के अंक एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में 7 हो गए है। इसका मतलब साफ है कि भारत का सेमीफाइनल में पहुंचना तय हो चुका है। हरमनप्रीत को शानदार खेल के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की यह दूसरी जीत है। उससे इससे पहले बांग्लादेश को 9-0 से करारी शिकस्त दी थी। पाकिस्तान को अब भी अपनी पहली जीत का इंतजार है। उसने जापान के खिलाफ अपना पहला मैच गोलरहित ड्रा खेला था। भारत ने अपना पहला मैच कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेलकर अंक बांटे थे। भारत अभी तीन मैचों में सात अंक लेकर अंकतालिका में शीर्ष पर है तथा वह पांच देशों के बीच राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में रविवार को जापान से भिड़ेगा। पाकिस्तान का अभी दो मैचों में केवल एक अंक है। भारत और पाकिस्तान पिछली बार मस्कट में खेले गये टूर्नामेंट में संयुक्त विजेता बने थे। तब बारिश के कारण फाइनल मैच नहीं हो पाया था। भारतीय टीम ने पहले दो क्वार्टर में पूरी तरह से दबदबा बनाये रखा। पाकिस्तान ने रक्षात्मक रवैया अपनाया और इस बीच हरमनप्रीत के एक शॉट का अच्छा बचाव भी किया। पहले दो क्वार्टर में खेल पाकिस्तान के गोल पोस्ट के इर्द गिर्द ही खेला गया। भारतीयों ने शुरू से आक्रामक रवैया अपनाकर दबाव बनाया और कुछ मौके बनाये लेकिन पाकिस्तानी गोलकीपर मजार अब्बास की प्रशंसा करनी होगी जिन्होंने बेहतरीन बचाव किये। लेकिन भारत ने उम्मीद के अनुरूप आठवें मिनट में बढ़त बना दी जब हरमनप्रीत ने टीम को मिले पहले पेनल्टी कार्नर को करारे फ्लिक से गोल में बदला। इसके चार मिनट बाद कप्तान मनप्रीत सिंह का सर्कल के बाहर से लगाया गया शॉट अब्बास ने बचा दिया। दूसरे क्वार्टर में भी यही स्थिति बनी रही और भारतीयों ने पाकिस्तानी रक्षापंक्ति में लगातार सेंध लगायी। पाकिस्तानी रक्षापंक्ति ने अच्छी भूमिका निभायी लेकिन उसकी अग्रिम पंक्ति एक भी शॉट गोल पर लगाने या पेनल्टी कार्नर हासिल करने में नाकाम रही। भारत मध्यांतर तक 1-0 से आगे था और उसने पाकिस्तान पर दबाव बनाये रखा तथा 42वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी कर दी।

आकाशदीप ने तब सुमित के ड्राइव को रिवर्स हिट से गोल के हवाले किया था। लेकिन पाकिस्तान ने उम्मीद नहीं छोड़ी और यहां से बेहतर खेल दिखाया तथा तीसरा क्वार्टर समाप्त होने से 27 सेकेंड पहले गोल अंतर कम कर दिया। तब मंजूर ने अब्दुल राणा के पास को डाइव लगाकर गोल में पहुंचाया था। पहले तीन क्वार्टर अगर भारत के नाम रहे तो चौथे क्वार्टर में पाकिस्तान ने कड़ी चुनौती पेश की। पहला गोल करने के बाद पाकिस्तान ने आक्रामक रुख अपनाया और 47वें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन भारत के 'रेफरल' लेने के बाद इसे नकार दिया गया। पाकिस्तान ने इसके बाद फिर से लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल किये लेकिन दोनों अवसरों पर भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार बचाव किये। इस बीच भारत ने अपना दूसरा पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिसे हरमनप्रीत ने गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। भारत ने अंतिम हूटर बजने से तीन मिनट पहले एक और पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन उसे पाकिस्तानी गोलकीपर ने बचा दिया।

सिंधू का विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीतने का सपना टूटा, दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी से हारी

ह्यूएलवा (स्पेन)।(एजेंसी)।

ह्युएलवा। पिछली चैम्पियन पी वी सिंधू का खिताब बरकरार रखने का सपना तोड़ते हुए दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी चीनी ताइपे की ताइ जू यिंग ने शुक्रवार को यहां उन्हें विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में सीधे गेम में हरा दिया। शीर्ष वरीय ताइ जू ने यह मुकाबला 42 मिनट में 21 . 17, 21 . 13 से जीता। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी और दो ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने 2019 में यह खिताब जीता था और 2020 में कोरोना महामारी के कारण टूर्नामेंट नहीं हुआ था। सिंधू ने 2019 में ताइ जू को इस टूर्नामेंट में हराया था लेकिन तोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल में उससे हार गई थी।

इस मैच से पहले ताइ जू के खिलाफ उसका जीत हार का रिकॉर्ड 14 . 5 का था। भारतीय खिलाड़ी को ताइ जू की फुर्ती, कोर्ट कवरेज और ड्राप शॉट की बराबरी करने में मुश्किल हो रही थी जो पहले भी कई बार रहा है, हालांकि सिंधू ने कुछ बेहतरीन क्रास-कोर्ट स्मैश लगाये। सिंधू ने मैच के दौरान कई असहज गलतियां कीं। वह दूसरे गेम में बराबरी तक पहुंची थी लेकिन बाद में हार गयीं। ताइ जू ने इस तरह 2019 विश्व चैम्पियनशिप में इसी चरण में सिंधू से मिली हार का बदला भी चुकता किया। दोनों खिलाड़ी कोर्ट के बाहर दोस्त हैं। पहले गेम में दोनों शुरू में 2-2 की बराबरी पर थी लेकिन ताइ जु ने तेजी से 11-6 की बढ़त हासिल कर ली। सिंधू ने ब्रेक के बाद कुछ शानदार क्रास कोर्ट स्मैश से इस अंतर को 16-18 से 17-19 कर दिया। लेकिन यह भारतीय खिलाड़ी लय बरकरार नहीं रख सकी और दो बार वाइड शॉट लगाने से पहला गेम 17 मिनट में गंवा बैठीं। दूसरा गेम करीबी रहा लेकिन फिर ताइ जु ने सिंधू की एक गलती से ब्रेक तक 11-8 की बढ़त हासिल कर ली थी। पर दो बेहतरीन स्मैश का ताइ जु के पास कोई जवाब नहीं था और अब सिंधू ने इस अंतर को महज एक अंक का कर दिया जो 10-11 हो गया।

ताइ जु ने अगला अंक अपने नाम किया। फिर सिंधू ने एक क्रास कोर्ट स्मैश लगाकर स्कोर 11-12 कर दिया। चीनी ताइपे की खिलाड़ी ने वाइड शॉट फेंका जिससे स्कोर 12-12 हो गया। ताइ जु ने अगले तीन अंक अपने खाते में डाले लेकिन फिर नेट पर हिट कर बैठीं। एक असफल लाइन कॉल चुनौती के बाद सिंधू 13-16 से पिछड़ रही थीं। भारतीय खिलाड़ी ने अगले दो शॉट नेट में हिट किये और अपनी प्रतिद्वंद्वी के ड्राप शॉट तक नहीं पहुंच सकी जिससे वह 13-18 से पांच अंक से पिछड़ गयीं। सिंधू ने असहज गलती करना जारी रखा, उन्होंने पहले शॉट वाइड फेंका और ताइ जु के स्मैश को चूककर मैच गंवा बैठीं। अब ताइ जू का सामना ही बिंगजाओ और हान यूए के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। भारत के लक्ष्य सेन पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल में चीन के झाओ जुन पेंग से, किदाम्बी श्रीकांत का मार्क कालजो से और एच एस प्रणय का लो कीन यू से सामना होगा।

कोविड प्रभाव : पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच वनडे श्रृंखला स्थगितने

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कैरेबियाई टीम में कोविड-19 के कई पॉजिटिव मामले पाये जाने के बाद गुरुवार को तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला स्थगित कर दी। पीसीबी और सीडब्ल्यूआई ने कराची में तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच के दौरान संयुक्त बयान जारी करके कहा कि बुधवार को आरटी-पीसीआर परीक्षणों के परिणाम आने के बाद कोविड-19 के पॉजिटिव मामलों की संख्या नौ पहुंच गयी है।

संयुक्त बयान में कहा गया है, ''टीम के हितों तथा वनडे के लिये वेस्टइंडीज दल में सीमित संसाधनों को देखते हुए वनडे श्रृंखला को जून 2022 तक स्थगित करने पर सहमति बनी। यह श्रृंखला आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा है।'' इसके अनुसार, ''इससे वेस्टइंडीज को भी विश्व कप क्वालीफिकेशन मैचों में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को उतारने का समान मौका मिलेगा।'' वेस्टइंडीज के जिन खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया है वे तीसरा टी20 समाप्त होने के बाद गुरुवार को ही स्वदेश रवाना हो जाएंगे। बयान में कहा गया है, ''जिनका परीक्षण पॉजिटिव आया है वे कराची में पृथकवास की अवधि पूरी करेंगे। इसके बाद उनकी यात्रा की व्यवस्था की जाएगी ताकि वे क्रिसमस अपने परिजनों के साथ मना सकें।'' वेस्टइंडीज इस टी20 और वनडे दौरे के लिये 21 सदस्यीय टीम लेकर आया था लेकिन तीसरे टी20 मैच के लिये उसके केवल 14 खिलाड़ी ही उपलब्ध थे। उसके छह खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्यों का कोविड-19 के लिये परीक्षण पॉजिटिव आया है जबकि एक खिलाड़ी डेवोन थॉमस पहले टी20 मैच में उंगली में चोट लगने के कारण बाहर है। इससे पहले दिन में तीसरे टी20 मैच के आयोजन को लेकर भी संदेह पैदा हो गया था क्योंकि वेस्टइंडीज बोर्ड ने पुष्टि की कि वनडे कप्तान शाई होप, बायें हाथ के स्पिनर अकील हुसैन और आलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स के अलावा सहायक कोच रोडी एस्टविक और टीम के चिकित्सक डा. आकाशी मानसिंह सभी का परीक्षण पॉजिटिव आया है। इससे पहले नौ दिसंबर को काइल मायर्स, शेल्डन कोटरेल और रोस्टन चेज के परीक्षण पॉजिटिव पाये गये थे।

विराट कोहली के लिए दक्षिण अफ्रीका दौरा, किसी अग्निपथ से कम नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कुछ ही दिन बाद टेस्ट सीरीज शुरू होने वाली है. भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका पहुंच चुकी है. हालांकि इस सीरीज से पहले भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ समय से गदर मचा हुआ है. कभी बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली का बयान सामने आता है तो कभी टेस्ट टीम के कप्तान विराट कोहली कुछ और कहते हैं. माना जा रहा था कि विराट कोहली के बयान के बाद मामला कुछ हल्का हो जाएगा, लेकिन इसने आग में एक तरह से घी डालने का ही काम किया है. भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका सीरीज का शेड्यूल बदला गया है. अब पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर से खेला जाएगा. सबसे बड़ी बात ये है कि विराट कोहली के लिए ये टेस्ट सीरीज किसी अग्निपथ से कम नहीं है. टीम इंडिया को विराट कोहली की कप्तानी में वो काम करके दिखाना होगा, जो आज तक कभी नहीं हुआ.

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच 26 दिसंबर को खेला जाएगा. भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब तक दक्षिण अफ्रीका में जितनी भी सीरीज खेली गई है, उसमें भारतीय टीम कभी भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई है. भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब तक 39 टेस्ट मैच खेले गए हैं, इसमें से 14 मैच भारतीय टीम ने जीते हैं, वहीं 15 मैच दक्षिण अफ्रीकी टीम ने अपने नाम किए हैं. इस दौरान दस मैच ड्रॉ भी हुए हैं. भारतीय टीम का जीत का प्रतिशत 35 के करीब है, वहीं दक्षिण अफ्रीकी टीम का जीत का प्रतिशत 38 के आसपास है. हालांकि ये आंकड़े देखने से ज्यादा कुछ पता नहीं चलता है, लेकिन अगर दक्षिण अफ्रीका में खेली गई सीरीज की बात करें तो टीम इंडिया के नाम एक भी सीरीज जीत नहीं है.

टेस्ट कप्तान विराट कोहली के लिए सबसे बड़ी चुनौती ये है कि उन्हें केवल बल्ले से ही रन नहीं बनाने, उन्हें कप्तानी भी अच्छी करके दिखानी होगी. अगर कहीं विराट कोहली चूक जाते हैं तो फिर उनके लिए मुश्किल भी खड़ी हो सकती है. वैसे भी दो साल से ज्यादा का वक्त हो गया है, जब से विराट कोहली के बल्ले से शतक नहीं निकला है. आखिरी बार साल 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने कोलकाता के ईडन गार्डेस में खेले गए मैच में शतक लगाया था, जो भारत में भारत का पहला पिंक बॉल टेस्ट था. इस बीच बीसीसीआई को ये भी तय करना होगा कि भारतीय टेस्ट टीम का उपकप्तान कौन होगा. क्योंकि इस सीरीज के लिए रोहित शर्मा को उपकप्तान बनाया था, लेकिन चोट के कारण वे इस सीरीज से बाहर हो गए हैं, ऐसे में देखना होगा कि अजिंक्य रहाणे को फिर से उप कप्तान बनाया जाता है या फिर केएल राहुल को नया उप कप्तानी की जिम्मेदारी निभाते हैं.

ईपीएल में बढे कोरोना संक्रमण के मामले, लिवरपूल जीता, चेलसी ने ड्रॉ खेला

लंदन। लिवरपूल ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में न्यूकैसल को 3 . 1 से हरा दिया जबकि चेलसी ने खिलाड़ियों की चोटों से प्रभावित एवर्टन से 1 . 1 से ड्रॉ खेला। लिवरपूल और शीर्ष पर काबिज मैनचेस्टर सिटी के बीच अब अंतर कम हो गया है। वहीं यूरोपीय चैम्पियन चेलसी अब सिटी से चार अंक पीछे है। चेलसी ने पिछले पांच में से महज दो मैच जीते हैं। इस बीच कई टीमों में ओमीक्रोन वैरिएंट के प्रसार के बीच अनेक मैच रोज स्थगित हो रहे हैं। एक सप्ताह में नौ मैच स्थगित हो चुके हैं। लिवरपूल और चेलसी के भी तीन तीन खिलाड़ी संक्रमण के कारण उपलब्ध नहीं थे।

एशेज दूसरा टेस्ट : दूसरे दिन का खेल खत्म, ऑस्ट्रेलिया ने 473/9 पर घोषित की पारी, इंग्लैंड के दो विकेट गिरे

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को एडिलेड के ओवल में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 473/9 रनों पर पारी घोषित करने के बाद, इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों को जल्द आउट कर दिया, जिससे इंग्लिश टीम 8.4 ओवर में 17/2 रन जोड़े। अब इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया से 456 रनों से पीछे है। ऑस्ट्रेलिया के 473 रनों के जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी में मिशेल स्टार्क और माइकल नेसर ने सलामी बल्लेबाज बर?ंस रोरी और हसीब हमीद को आउट करके मैच में टीम की स्थिति और मजबूत कर दी। अंतिम सत्र में डेब्यू कर रहे नेसर और स्टार्क ने इंग्लैंड को शुरुआती झटके दिए। इससे पहले, नेसर और स्टार्क ने 51 गेंदों में 58 रनों की शानदार साझेदारी की थी। गेंद के साथ स्टार्क ने अपने दूसरे ओवर की पहली गेंद पर बर?ंस को स्मिथ के हाथों कैच करवाकर आउट कर दिया। इसके बाद नेसर ने अपना पहला टेस्ट विकेट सिर्फ दूसरी गेंद पर हासिल किया और इसके थोड़ी देर बाद ही अंपायरों ने दूसरे दिन के खेल खत्म होने की घोषणा कर दी। इससे पहले, मार्नस लाबुस्चागने ने अपने करियर का छठा शतक जड़ा था। वहीं, कप्तान स्टीव स्मिथ और एलेक्स कैरी ने अर्धशतक लगाया, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में नौ विकेट गंवाकर 473 रन बनाए।

संक्षिप्त स्कोरः ऑस्ट्रेलिया ने 150.4 ओवरों में 473/9 (मार्नस लाबुस्चागने 103, डेविड वार्नर 95, स्टीव स्मिथ 93, जेम्स एंडरसन 2/58) इंग्लैंड ने 8.4 ओवरों में 17/2 (माइकल नेसर 1/4, मिशेल स्टार्क 1/11)।

विराट कोहली से जुड़े सवाल को टाल गए सौरव गांगुली, कहा- इस मामले से ठीक तरीके से निपटेगा बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बीसीसीआई और विराट कोहली के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले विराट कोहली के दावे के बाद से भारतीय क्रिकेट में बवाल मचा हुआ है। विराट कोहली ने वनडे की कप्तानी से हटाने को लेकर कुछ ऐसे दावे की है जो बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के बयान से बिल्कुल अलग थे। इसके बाद माना जा रहा है कि बीसीसीआई और विराट कोहली आमने-सामने हैं। आज इसी को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली से प्रतिक्रिया मांगी गई हालांकि सौरव गांगुली ने विराट कोहली से जुड़े सवालों को टाल दिया। इससे पहले कोहली ने गांगुली के बयान के संदर्भ में कहा था, ''जो फैसला किया गया उसे लेकर जो भी संवाद हुआ, उसके बारे में जो भी कहा गया वह गलत है।''

सौरभ गांगुली ने पत्रकारों से कहा कि मेरे पास कहने के लिए कुछ भी नहीं है। हम इससे निपटेंगे। इसे बीसीसीआई पर छोड़ दें। कुल मिलाकर कहें तो गांगुली ने साफ तौर पर कह दिया कि पूरे प्रकरण पर अब बीसीसीआई सही तरीके से निपटेगा। विराट कोहली और सौरव गांगुली के बयानों को लेकर हर तरफ बवाल मचा हुआ है। दावा किया जा रहा है कि बोर्ड और कोहली के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। विराट कोहली के दावे सौरव गांगुली के दावे के बिल्कुल विपरीत है। ऐसे में कई सवाल उठ रहे हैं और सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि आखिर यहां कौन झूठा है और कौन सच्चा है?

टीम चयन से पहले वनडे कप्तानी से हटाया गयाः कोहली

भारतीय टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने बुधवार को कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें कभी टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार करने को नहीं कहा जैसा कि बोर्ड ने दावा किया है और आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम चयन से 90 मिनट पहले उन्हें एकदिवसीय टीम की कप्तानी से हटाया गया। कोहली ने कहा, ''जो फैसला किया गया उसे लेकर जो भी संवाद हुआ, उसके बारे में जो भी कहा गया वह गलत है।'' उन्होंने कहा, ''आठ दिसंबर को टेस्ट श्रृंखला के लिए चयन बैठक से डेढ़ घंटा पहले मेरे साथ संपर्क किया गया और इससे पहले टी20 कप्तानी को लेकर मेरे फैसले की घोषणा के बाद से मेरे साथ कोई संपर्क नहीं किया गया था।'' कोहली ने कहा, ''मुख्य चयनकर्ता ने टेस्ट टीम पर चर्चा की जिस पर हम दोनों सहमत थे। बात खत्म करने से पहले मुझे बताया गया कि पांच चयनकर्ताओं ने फैसला किया है कि मैं एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय कप्तान नहीं रहूंगा जिस पर मैंने कहा 'ठीक है, कोई बात नहीं'।''

गांगुली का दावा

गांगुली ने कहा था कि कोहली के टी20 कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार नहीं करने के कारण चयनकर्ताओं को सीमित ओवरों के प्रारूप में रोहित को एकमात्र कप्तान बनाना पड़ा क्योंकि दो प्रारूपों में दो अलग कप्तान होने से नेतृत्वक्षमता का टकराव हो सकता था। बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने कहा था, ''हमने विराट से आग्रह किया था कि वह टी20 कप्तानी नहीं छोड़े लेकिन वह कप्तान के रूप में बरकरार नहीं रहना चाहता था। इसलिए चयनकर्ताओं ने महसूस किया कि सीमित ओवरों के दो प्रारूप में दो कप्तान नहीं हो सकते। इससे नेतृत्वक्षमता का टकराव हो सकता है।'' रोहित को खराब फॉर्म से जूझ रहे अजिंक्य रहाणे की जगह भारतीय टेस्ट टीम का उप कप्तान भी बनाया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिल्मों में आने से पहले यह काम करते थे जॉन अब्राहम

आज बॉलीवुड के मशहूर एक्टर और प्रोड्यूसर जॉन अब्राहम का जन्मदिन है। जॉन का जन्म 17 दिसम्बर 1972 को मुंबई में हुआ था। जॉन के पिता मलयाली हैं और उनकी मां पारसी हैं। शायद बहुत कम लोग जानते हैं कि जॉन के दो नाम हैं। उनका पारसी नाम फरहान है। बॉलीवुड में आने से पहले उनका नाम फरहान ही था लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम जॉन रख लिया। जॉन ने अपने करियर की शुरुआत बतौर इवेंट प्लानर की थी। इसके बाद उन्होंने 'ग्लैडरैग्स मैनहंट कॉन्टेस्ट' में हिस्सा लिया और विनर भी बने। इस प्रतियोगिता में सफलता पाने के बाद जॉन ने मॉडलिंग शुरू कर दी। उन्होंने भारत में कई विज्ञापनों और वीडियोज़ में काम करने के साथ-साथ लंदन और न्यूयोर्क आदि जैसे शहरों में भी मॉडलिंग की है। जॉन ने साल 2003 में फिल्म 'जिस्म' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में अपने शानदार अभिनय से जॉन ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड से भी नवाजा गया था। जॉन ने धूम, गरम मसाला, टैक्सी नंबर 9 2 11, काबुल एक्सप्रेस, दोस्ताना, न्यूयॉर्क, फोर्स, देसी ब्वॉयज़, शूटआउट एट वडाला, ढिशूम, परमाणु, सत्यमेव जयते जैसी फिल्मों में काम किया है। एक बेहतरीन एक्टर होने के साथ-साथ जॉन ने बतौर प्रोड्यूसर भी सफलता हासिल की है। जॉन की बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म 2012 में आई विक्की डोनर दी थी, जो बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छी चली। इसके बाद उनकी दूसरी फिल्म साल 2018 में आई फिल्म मद्रास कैफे थी जिसे सुजीत सरकार ने डायरेक्ट किया था। जॉन अब्राहम अपनी फिल्मों के अलावा अफेयर्स को लेकर भी बहुत चर्चा में रहे हैं। एक समय था जब जॉन और एक्ट्रेस बिपाशा बासु के अफेयर के बारे में हर कोई जानता था। जॉन करीब 9 साल तक बिपाशा बासु के साथ रिलेशनशिप में थे लेकिन बाद में दोनों का ब्रेअप हो गया। लेकिन क्या आपको पता है कि जॉन की पहली गर्लफ्रेंड बिपाशा नहीं बल्कि एक दूसरी बॉलीवुड एक्ट्रेस थी। जी हाँ, बिपाशा को डेट करने से पहले जॉन का अफेयर एक्ट्रेस रिया सेन के साथ था। हालांकि, रिया के साथ उनका रिश्ता बहुत कम समय तक चला था। बिपाशा से ब्रेकअप होने के बाद जॉन ने एनआरआई प्रिया रुंचाल से शादी कर ली थी। जॉन ने प्रिय से गुपचुप तरीके से शादी रचाई थी। पहले लोग उनकी शादी की खबरों को अफवाह मान रहे थे लेकिन साल 2014 के न्यू ईयर पर जॉन अब्राहम ने ट्वीट कर बताया था कि उन्होंने शादी कर ली है। जॉन की शादी की खबर सुनकर सब हैरान थे।

एक सकारात्मक किरदार निभाकर खुश हूं : वरुण जैन

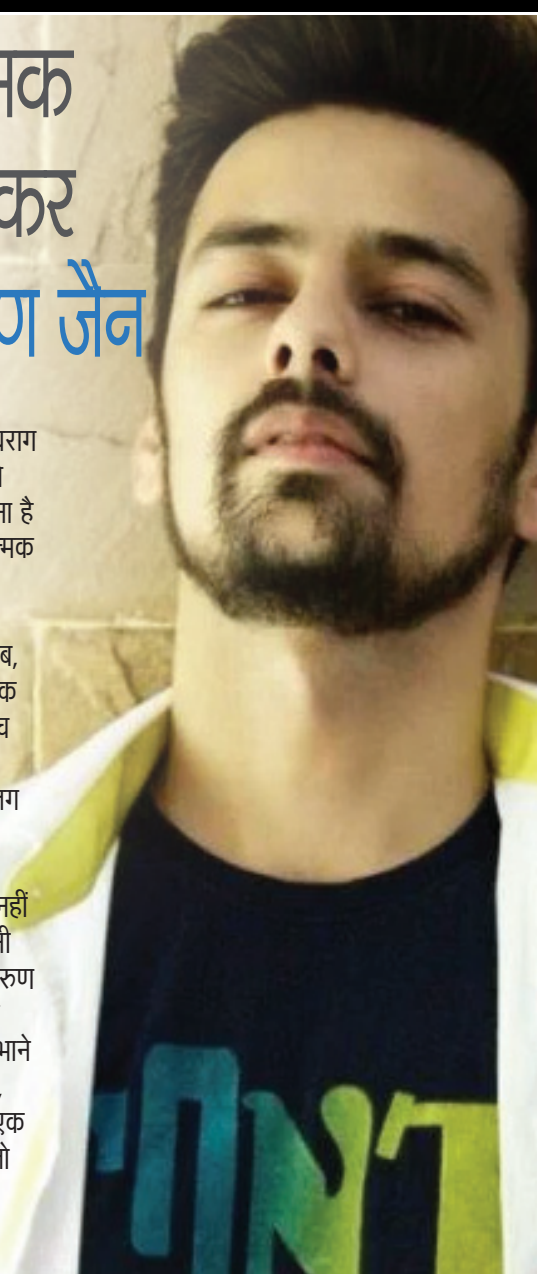

टेलीविजन शो तेरा मेरा साथ रहे में चिराग मोदी की समानांतर भूमिका निभाने वाले अभिनेता वरुण जैन का कहना है कि वह लंबे समय के बाद सकारात्मक किरदार निभाकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पहले ग्रे और नकारात्मक किरदार निभाए हैं। अब, जब मैं आखिरकार एक सकारात्मक किरदार निभा रहा हूं, तो मैं सचमुच अनुभव का आनंद ले रहा हूं। एक अभिनेता के रूप में, मैं हमेशा अलग और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाना चाहता हूं। मैं आगे बढ़ने में विश्वास करता हूं। एक ही काम बार-बार नहीं करना चाहता हूं। इसलिए, मैं अपनी नई ऑनस्क्रीन छवि से खुश हूं। वरुण लोकप्रिय टेलीविजन शो दीया और बाती हम में मोहित की भूमिका निभाने के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं, लेकिन उन्होंने खुलासा किया कि एक बार जब शो ऑफ एयर हो गया, तो जीवन एक संघर्ष था, भले ही वह काफी प्रसिद्ध हो गए थे।

अवार्ड शो में क्यों नहीं जाती हैं रुबीना दिलैक?

विवादास्पद रियलिटी शो बिग बॉस का सीजन 14 जीतने के बाद अभिनेत्री रुबीना दिलैक की लोकप्रियता बढ़ गई। बिग बॉस के घर में वह अपने पति अभिनव शुक्ला के साथ आयी थी। उनकी बिग बॉस की जर्नी को लोगों ने काफी पसंद किया और उन्हें शो का विजेता बना दिया। हालाँकि, रुबीना के बारे में सभी ने जो नोट किया है, वह यह है कि अभिनेता टीवी उद्योग की लोकप्रिय महिलाओं में से एक होने के बावजूद अवार्ड शो में शामिल नहीं होती है। रुबीना ने कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में अवॉर्ड शो में अपनी गैरमौजूद होने के कारणों का खुलासा किया। बॉलीवुड बबल के साथ एक साक्षात्कार में एक्ट्रेस ने अपने व्यक्तिगत और प्रोफेशनल लाइफ दोनों पर चर्चा की। अवॉर्ड शो के बारे में पूछे जाने पर रुबीना ने कहा कि एक बार उन्हें ट्रॉफी मिलने का पक्का भरोसा था, लेकिन ऐसा नहीं होने पर वह परेशान हो गईं। रुबीना ने कहा कि उस दौरान उनका शो टॉप पर था और उन्हें पता था कि उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस (फीमेल) का अवॉर्ड मिलेगा। इसलिए रुबीना ने शो के लिए काफी तैयारी की थी। उन्होंने कहा कि कोई भी पुरस्कार पाने को लेकर आश्वस्त होता है जब उन्हें पता होता है कि उनका काम कैसा है। मुझे पूरा विश्वास था कि मैं ही जीतूंगी लेकिन उस दिन किसी अन्य शो की एक्ट्रेस ने वो ऑवर्ड जीता। उन्होंने कहा कि वह शो के दौरान सबसे आगे की लाइन में बैठी थी और जब किसी और के नाम की घोषणा हुई तो जो मैंने महसूस किया उसके बारे में आपको बता नहीं सकती। एक्ट्रेस ने कहा कि वह खुद को नियंत्रित नहीं कर सकीं और सीधे वॉशरूम गईं और खूब रोईं। बाद में, रूबीका ने इसके पीछे का कारण समझा कि उन्होंने पुरस्कार क्यों नहीं जीता। उन्होंने कहा कि कुछ हफ्ते बाद, उनकी बहन और नायक की भूमिका निभाने वाली लड़की ने विक्रम फडनीस फैशन शो करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान भरी। तो एकीकरण के कारण उन्हें पोजिशनिंग और भेजने की पूरी बात आती है। लेकिन उसी क्षण, रुबीना ने कभी भी किसी अवार्ड शो में न आने की कसम खाई। हालाँकि रुबीना को अवार्ड शो में देखा जाता है, लेकिन अभिनेता ने कहा कि वह अपने दोस्तों, उनके प्रदर्शन और उनके शो के लिए उनसे मिलती है। अगर वो किसी कैटेगरी के लिए नॉमिनेट होती हैं तो वो उस शो में शामिल नहीं होती हैं।

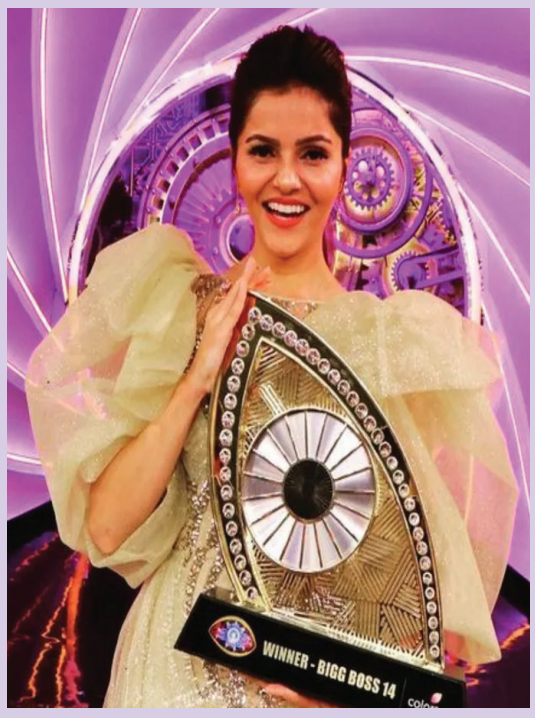

ब्लैक रेट्रो बिकिनी पहनकर अनन्या पांडे ने दिए जोर के झटके

बॉलीवुड की मशहूर स्टार किड्स में गिनी जाने वाली अभिनेत्री अनन्या पांडे बेसक दिखने में कितनी भी मासूम हो पर उनके बोल्ड अवतार को देखकर अच्छे भले लोगों के पसीने छूट जाते हैं। इंटरनेट पर आग लगाने के लिए अनन्या पांडे अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टग्राम पर अपलोड की। तस्वीरें अपलोड होते ही देखने वालो के होश उड़ गए। अनन्या का बोल्ड अवतार देखकर लोग फुले नहीं समा रहे। अनन्या पांडे ने ब्लैक रेट्रो बिकिनी पहनकर फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। ब्लैक रेट्रो बिकिनी के साथ उन्होंने ब्लैक जैकेट कैरी किया है। ऑल-ब्लैक बिकिनी सेट में वह कमाल की लग रही थीं। खुले बालों में कातिलाना पोज देते हुए अनन्या ने अपने फैंस का कतल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

फैंस और फॉलोवर्स के अलावा स्टार किड्स और सेलिब्रिटीज भी उनकी इन तस्वीरों को देखकर मदहोश हो गए। किंग खान की बेटी सुहाना खान ने अपनी सहेली की तस्वीर पर कमेंट करते हुए लिखा, 'बाप रे'। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने आग वाले इमोजी कमेंट करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी। वहीं एक सोशल मीडिया यूजर ने अनन्या की तस्वीरों पर कमेंट करते हुए लिखा, 'गॉर्जियस'। एक अन्य ने कमेंट किया, 'क्यूट'। बाकी यूजर दिल, आग, वाओ वाले इमोजी कमेंट करके तस्वीरों पर अपने रिएक्शन दे रहे हैं।

अभिनेत्री अनन्या पांडे की बात करें तो वह बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे की बेटी है। अनन्या ने साल 2019 में रिलीज़ हुई फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में कदम रखा था। वह इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' में भूमि पेडनेकर और कार्तिक आर्यन के साथ मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। अनन्या जल्द ही विजय देवरकोंडा और माइक टायसन के साथ फिल्म लाइगर में नजर आएगी। बॉलीवुड में कदम रखने से पहले अनन्या पांडे एक फेमस स्टार किड के रूप में अपनी पहचान बना चुकी थी। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फोटोशूट की तस्वीरें आये दिन शेयर करती रहती हैं।

शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार टीवी की 'नागिन' मौनी रॉय

मौनी रॉय भारत में अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड सूरज नांबियार के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। अभिनेत्री ने पहले दुबई में शादी करने की योजना बनाई थी। इस जोड़े ने अब कथित तौर पर अपनी शादी को लेकर योजना बदल दी है माना जा रहा है कि वह अब भारत में ही वह अपने परिवार और दोस्तों के साथ इस खान दिन को सेलिब्रेट करेंगी। मौनी रॉय जनवरी के अंत में शादी के बंधन में बंध जाएंगी। एक सूत्र ने बताया कि मौनी और सूरज ने भारत में शादी की योजना बनाई है। सूत्र ने बताया कि मौनी और सूरज नांबियार काफी समय से प्यार में वह दोनों पहले ही शादी कर लेते लेकिन कोरोना वायरस के कहर के कारण शादी को कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया लेकिन अब जब कोरोना का कहर कम हुआ तब दोनों ने दुबई में शादी की योजना बनायी लेकिन अब एक बार फिर से कोरोना के नये स्वरूप के आने से कई तरह के प्रतिबंध लगाये जा रहे हैं इस लिए शादी को अब भारत में ही किए जाने की संभावना है। अभिनेत्री पश्चिम बंगाल के एक छोटे से शहर कूचबिहार की रहने वाली है। उसका प्रेमी सूरज दुबई में एक बैंकर और व्यवसायी है। वह बेंगलुरु के एक जैन परिवार से ताल्लुक रखते हैं। मौनी को आखिरी बार द्वद्व5 की फिल्म लंदन कॉन्फिडेंशियल में देखा गया था। फिल्म सितंबर 2020 में रिलीज हुई थी। इसके बाद, मौनी को अपनी फिल्म, ब्रह्मास्त्र की रिलीज का इंतजार है, जिसे अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म का मोशन पोस्टर 15 दिसंबर को दिल्ली में रिलीज किया गया।

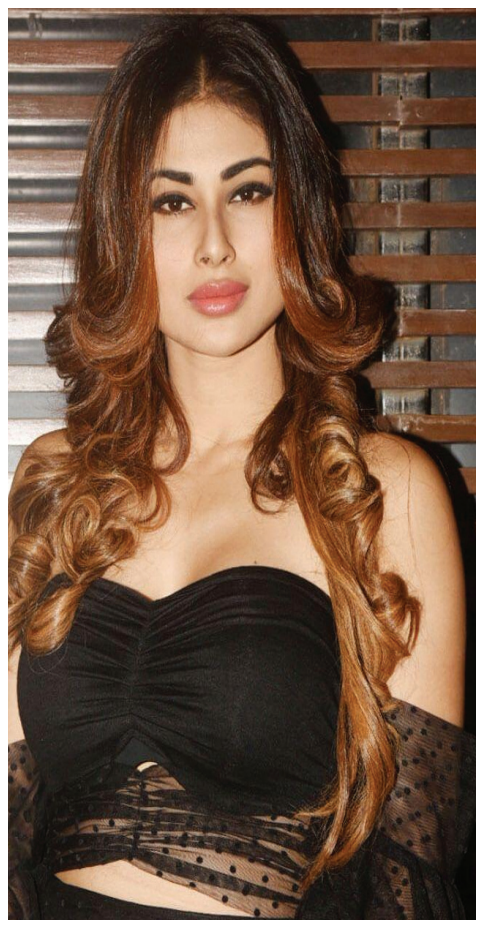

नोरा फतेही इस पंजाबी सिंगर से करेंगी शादी!

नोरा फतेही आज किसी पहचान की मोहजात नहीं है, क्योंकि आज बच्चा-बच्चा उनका दीवाना है. नोरा फतेही आज बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस बन चुकी है. बॉलीवुड की दुनिया में नोरा ने एक मुकाम हासिल कर ली है. नोरा फतेही ने बहुत कम समय में बहुत बड़ा नाम कमा लिया और इतना ही नहीं यूथ पूरी तरह नोरा फतही के दीवाना हैं. नोरा बॉलीवुड की कई फिल्मों में महत्वपूर्ण किरदार निभा चुकी हैं. हालांकि, अभी तक एक भी फिल्म में नोरा ने अभिनेत्री का किरदार नहीं निभाया है. इन दिनों नोरा फतेही काफी ज्यादा मीडिया की सुर्खियों में बनी हुई हैं, क्योंकि नोरा की ऐसी तस्वीरें सामने आ रही हैं, जिसमें वह काफी खूबसूरत लग रही हैं. इन तस्वीरों में नोरा फेसम पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा के साथ नजर आ रही हैं. बताया जा रहा हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. ये भी बताया जा रहा है कि नोरा फतेही और गुरु रंधाना जल्दी ही एक दूसरे के हो जाएंगे यानी शादी करेंगे. सिंगिंग की दुनिया में गुरु रंधावा बहुत बड़े सुपरस्टार हैं. गुरु रंधावा ने अपने करियर में कई सारे सुपरहिट गाने दिए हैं, जिसके लोग काफी दीवाने हैं. गुरु रंधावा और नोरा फतेही को एक साथ देखा जा रहा है. ऐसी एक तस्वीर सामने आई है कि जिसमें नोरा फतेही जलपरी बनी हुई हैं और उसके जैसे ही कपड़े पहनी हुई हैं. इस कपड़े में नोरा फतेही बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं. इस तस्वीर में नोरा फतेही के साथ गुरु रंधावा भी है.

अमेरिकी संसद ने चीन में जबरन श्रम को लक्षित आयात पर प्रतिबंध को दी मंजूरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसद ने चीन के शिनजियांग क्षेत्र से आयात पर रोक लगाने संबंधी एक विधेयक को अंतिम मंजूरी दे दी। विधेयक के प्रावधान के तहत क्षेत्र से आयात किए जाने वाले सामानों को तब तक अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि यह साबित नहीं

किया जाता कि बिना जबरन श्रम के उत्पादन किया गया। चीन द्वारा पश्चिमी क्षेत्र में जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से शिनजियांग के लाखों मुस्लिम उइगरों के कथित उत्पीड़न पर अमेरिका द्वारा लगाई गई कई तरह की पाबंदियों की दिशा में यह नवीनतम कदम है। जो बाइडन प्रशासन ने शिनजियांग में कार्रवाई के लिए कई चीनी बायोटेक और निगरानी कंपनियों तथा सरकारी संस्थाओं को लक्षित करते हुए बृहस्पतिवार को नए प्रतिबंधों की भी घोषणा की। अमेरिकी संसद ने विधेयक को हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन के पास भेज दिया है।

मानसिक रोग चिकित्सालय में आग, कम से कम 27 की मौत, चौथे माले पर फंसे लोगों को भागने का मौका भी नहीं मिला

टोक्यो। जापान के ओसाका में एक मानसिक रोग चिकित्सालय में आग लगने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई। बताया गया है कि यह आग आठ मंजिला बिल्डिंग के चौथे माले में लगी थी। आग फैलने की रफ्तार इतनी तेज थी कि फ्लोर में फंसे लोगों को भागने तक का मौका नहीं मिल पाया और आधे घंटे के अंदर पूरा फ्लोर

जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग के मुताबिक, फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है और राहत-बचाव कार्य जारी हैं। घटना की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें आग से मची तबाही को साफ देखा जा सकता है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, जिस फ्लोर पर आग लगी थी, उसमें कई मानसिक रोगियों का इलाज जारी था। अधिकारियों का कहना है कि आग सुबह करीब 10.18 बजे लगी थी। मौके पर दमकल की 70 गाड़ियां पहुंचीं और आग बुझाना शुरू कर दिया। हालांकि, राहत-बचाव कार्य के दौरान जो 28 घायल मिले, उनमें से 27 को बचाया नहीं जा सका।

पाकिस्तान में अलग-अलग सड़क हादसों में 9 लोगों की मौत, 8 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अलग-अलग सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि पंजाब प्रांत के फैसलाबाद जिले में दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई तथा सात अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक घने कोहरे की वजह से खराब दृश्यता की वजह से ये हादसे हुए। हादसे के बाद पुलिस और बचाव दल बचाव कार्य के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। बचाव अधिकारियों के अनुसार शवों और घायलों को पास के अस्पतालों में भेज दिया गया है। घायलों में कई की हालत गंभीर है। पंजाब प्रांत के बहावलपुर जिले के चानी गोठ इलाके के पास घने कोहरे के कारण एक यात्री बस के मोटरसाइकिल से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। कराची शहर में एक अन्य दुर्घटना में, एक डंपर के मोटरसाइकिल से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई, जब डंपर चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से भागने में सफल रहा, लेकिन पुलिस ने अपने तलाशी अभियान में उसे ट्रैक कर पकड़ लिया।

उत्तर कोरिया के तानाशाह का नया फरमान- लोगों के हंसने और खुश होने पर लगाया बैन, नियम तोड़ने पर मिलेगी मौत

प्योंगयांग। अपने सख्त कानूनों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर उत्तर कोरिया ने एक और अजीबों-गरीब फरमान सुनाया है। यहां के तानाशाह किंग जोंग उन ने अब जनता के हंसने पर भी बैन लगा दिया है, इतना ही नहीं अगर कोई शख्स इस कानून का उलंघन करेगा तो उसे सख्त से सख्त सजा भी दी जाएगी। दरअसल, उत्तर कोरिया अपने पूर्व नेता किम जोंग इल की 10वीं बरसी मना रहा है, इसलिए अगले 11 दिनों तक उत्तर कोरिया के नागरिकों को शोक मनाना

होगा। इस दौरान वो न तो खुश रह सकते हैं और न ही हंस सकते हैं, अगर कोई शराब पीता हुआ मिल गया, तो उसे सीधे मौत की सजा होगी।

एक खबर के मुताबिक, किम जोंग इल ने उत्तर कोरिया पर 1994 से 2011 तक शासन किया था। कोरिया के क्रूर तानाशाह किम जोंग इल की मौत 17 दिसंबर 2011 को 69 साल की उम्र में हार्ट अटैक से हो गई थी। अब उनके निधन के 10 साल पूरे होने पर उत्तर कोरिया के लोगों को 11 दिनों का 'सख्त' शोक मनाने का आदेश दिया गया है। जिसे लेकर वहां के एक निवासी ने बताया कि शोक अवधि के दौरान हम शराब पीना, हंसना या दूसरी खुशनुमा गतिविधियां नहीं कर सकते, और तो और इस दौरान लोग अपना जन्मदिन भी नहीं मना सकते।

किम जोंग इल की मौत 17 दिसंबर को हुई थी और इस दिन कोई भी बाजार से नया सामान नहीं खरीद सकेगा। इस दौरान जो लोग शराब पीते या खुशी मनाते पाए गए, उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा और वैचारिक अपराधी के रूप में सजा दी जाएगी।

अमेरिका की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, भारत को निशाना बना रहे आतंकवादी समूहों का पाक सरजमीं से काम जारी

वाशिंगटन। भारत को निशाना बना रहे आतंकवादी समूहों ने पाकिस्तानी सरजमीं से अपनी गतिविधियों को अंजाम देना जारी रखा है। पाकिस्तान ने जैश-ए-मोहम्मद संस्थापक और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी मसूद अजहर तथा 2008 मुंबई हमले के ''प्रोजेक्ट मैनेजर' साजिद मीर समेत अन्य आतंकवादियों के खिलाफ भी कार्रवाई नहीं की है। अमेरिका के विदेश विभाग द्वारा आतंकवाद पर जारी एक नयी रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बृहस्पतिवार को आतंकवाद पर जारी देश की रिपोर्ट 2020 में कहा कि क्षेत्रीय रूप से आतंकवादी समूह पाकिस्तान से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ''अफगान तालिबान और उससे

जुड़े हक्कानी नेटवर्क समेत अफगानिस्तान को निशाना बना रहे समूहों के साथ ही भारत को निशाना बना रहे लश्कर-ए-तैयबा और उससे जुड़े संगठन तथा जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) समेत अन्य आतंकवादी समूहों ने पाकिस्तानी सरजमीं से अपना काम जारी रखा है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने जेईएम संस्थापक और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी अजहर और 2008 मुंबई हमले के ''प्रोजेक्ट मैनेजर' मीर जैसे अन्य वांछित आतंकवादियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। ऐसा माना जाता है कि अजहर और मीर दोनों पाकिस्तान में निर्बाध घूम रहे हैं। इसमें कहा गया है कि फरवरी और फिर नवंबर में लाहौर की एक आतंकवादी रोधी अदालत ने लैश्कर-ए-तैयबा संस्थापक हाफिज सईद को आतंकवाद के वित्त पोषण के कई आरोपों में दोषी ठहराया और उसे साढ़े पांच साल के कारावास की सजा सुनाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की कार्य योजना को पूरा करने की दिशा में 2020 में अतिरिक्त प्रगति की लेकिन कार्य योजना के सभी कामों को पूरा नहीं किया और वह एफटीएफ की ''ग्रे सूची' में बना हुआ है।

ब्रिटेन में कोरोना का कहर जारी, लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड 88,376 नए मामले आए सामने

लंदन। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के 88,376 नए मामले सामने आए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है जब ब्रिटेन में कोरोना वायरस के रिकॉर्ड मामले सामने आए हैं। इसके अलावा संक्रमण से 146 और लोगों की मौत हुई है। ब्रिटेन में बुधवार को कोविड-19 के 78,610 मामले सामने आए थे। यह संख्या पिछले साल महामारी शुरू होने के बाद से देश में सबसे ज्यादा थी।

इसके बाद आज उससे अधिक मामले सामने आ गए हैं जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड है। ब्रिटेन के लिए ओमिक्रॉन वैरिएंट भी चिंताजनक बना हुआ है। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने कहा है कि देस में इस वैरिएंट के 1691 नए मामलों की पहचान हुई है। इसके साथ ही ब्रिटेन में ओमिक्रॉन संक्रमितों की संख्या 11,708 पहुंच गई है। ओमिक्रॉन के बढ़ते केस को देखते हुए वैज्ञानिकों ने मामलों में और बढ़ोतरी होने की आशंका जाहिर की है।

ब्रिटेन में लोगों से क्रिसमस पूर्व जश्न और कार्यक्रमों में अधिक भीड़भाड़ से बचने का प्रयास करने और कोविड????-19 के तेजी से फैलने वाले वैरिएंट ओमिक्रॉन को देखते हुए संक्रमण के मामलों में वृद्धि के लिए प्रबंधन करने का आग्रह किया जा रहा है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऑफिस ने हाल के समय में लॉकडाउन पाबंदियां बढ़ाने की किसी योजना से इनकार किया है। देश में वर्तमान समय में घर से काम करने के साथ ही मास्क लगाने और बड़े कार्यक्रमों के लिए कोविड-19 टीकाकरण प्रमाणपत्र जरूरी किया गया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने सरकार के बूस्टर डोज की बात को दोहराया है।

सीडीसी पैनल की सिफारिश, अगर फाइजर और मॉडर्ना की वैक्सीन उपलब्ध हो तो लोग जॉनसन एंड जॉनसन का टीका न लगवाएं

वाशिंगटन। कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के दुनियाभर में तेजी से बढ़ते मामलों के बीच अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन को लेकर बड़ा बयान दिया है। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के एक सलाहकार पैनल ने गुरुवार को कहा कि फाइजर-बायोएनटेक और मॉडर्ना के टीके उपलब्ध होने पर लोगों को जॉनसन एंड जॉनसन की कोविड-19 वैक्सीन नहीं लगवानी चाहिए।

अमेरिका में 54 लोग थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम से पीड़ित

टीकाकरण सलाहकार समिति ने जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन से जुड़े दुर्लभ लेकिन संभावित रूप से जानलेवा रक्त के थक्कों के जोखिम को लेकर खाद्य और औषधि प्रशासन के एक अपडेट के बाद सीडीसी पैनल की बैठक बुलाई थी। अमेरिका में अब तक कम से कम 54 लोग, जिनमें ज्यादातर महिलाएं हैं, वैक्सीन लेने के बाद रक्त के थक्के बनने की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती हुए हैं। साथ ही

इससे नौ लोगों की मौत हुई है।

थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) के साथ थ्रोम्बोसिस के मामले पहले जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन लेने वालों में दर्ज किए गए हैं। जिसमें प्लेटलेट्स के निम्न स्तर के साथ रक्त के थक्के शामिल होते हैं। उच्चतम रिपोर्टिंग दर 50 से कम उम्र की महिलाओं में हैं। सीडीसी ने कहा कि महिलाओं और पुरुषों दोनों में ऐसी घटनाओं की दर पहले के अनुमान से अधिक है। टीकाकरण पर सीडीसी की सलाहकार समिति ने सिफारिश करने के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया। हालांकि नियामक को अभी गाइडलाइंस पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता है। पैनल के सदस्यों ने यह भी कहा कि जॉनसन एंड जॉनसन का टीका अन्य दो अधिकृत टीकों की तुलना में कोविड-19 को रोकने में कम प्रभावी है।सलाहकार समिति के सामने एक प्रेजेंटेशन में जॉनसन एंड जॉनसन के एक प्रमुख वैज्ञानिक ने कहा कि जॉनसन एंड जॉनसन का टीका सिर्फ एक खुराक लेने के साथ ही एक मजबूत और लंबे समय तक चलने वाली प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है।

जॉनसन एंड जॉनसन के डॉ. पेनी हीटन ने प्रेजेंटेशन में कहा कि 'ऐसी परिस्थितियों में जहां कई लोग दूसरी खुराक या बूस्टर के लिए वापस नहीं आते हैं, एक प्राथमिक खुराक के रूप में सिंगल शॉट जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन का स्थायित्व अमेरिका और दुनिया भर में लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।'

सीरिया का दावा- इस्राइल ने सैन्य ठिकानों पर दागी मिसाइलें, एक सैनिक की मौत

दमिश्क। सीरिया की सेना ने दावा किया है कि इस्राइल ने तड़के उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइलों से हमला किया, जिसमें एक सैनिक की मौत हो गई और सैन्य ठिकानों को क्षति पहुंची। सीरिया के सरकारी मीडिया ने एक सैन्य अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी।

सैन्य अधिकारी ने कहा कि इस्राइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स क्षेत्र से दागे गए रॉकेटों का सीरियाई वायु रक्षा प्रणाली ने समय रहते पता लगाकर अधिकतर मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया।अधिकारी ने कहा कि इस्राइल की ओर से दक्षिण सीरिया में स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर दागी गई मिसाइलों के कारण एक सैनिक की मौत हो गई और इसमें सैन्य ठिकानों को क्षति भी हुई है।

इस्राइल ने हाल के वर्षों में सीरिया के दक्षिणी हिस्से पर कई बार मिसाइलों से हमले किए हैं। इस्राइल का दावा है कि सीरिया के दक्षिणी हिस्से में लेबनान के विद्रोहियों के संगठन हिजबुल्ला के लड़ाके सक्रिय हैं, जिन्हें ईरान समर्थन देता है।

सीरियाई लोगों को सीमा पार से मदद जरूरी : गुटेरस

संयुक्त राष्ट्र के महसचिव एंतोनियो गुटेरस ने कहा है कि विद्रोहियों के नियंत्रण वाले उत्तर-पश्चिम सीरिया में तुर्की के रास्ते पहुंचाई जाने वाली यूएन की मानवीय मदद की कड़ी निगरानी की जा रही है और वह बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, कई चुनौतियों के बावजूद यह मानवीय सहायता पहुंचाई जा रही है और सेवाएं दी जा रही हैं। यह काम पूरे देश में सैद्धांतिक और पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है।

अफगानों की रोटी छीनता पाक:गेहूं-दवाइयों वाले ट्रकों को 2 महीने बाद भी काबुल जाने की मंजूरी नहीं; भारत ने कहा- मदद जारी रखेंगे

इस्लामाबाद। भारत ने 7 अक्टूबर को पाकिस्तान सरकार को एक मैसेज भेजा था। इसमें कहा गया था कि भारत सरकार अफगानिस्तान में भूख से परेशान लोगों को 50 हजार टन गेहूं और दवाइयां भेजना चाहती है। इसलिए पाकिस्तान इंसानियत के नाते मदद करे और वाघा बॉर्डर से भारत के ट्रकों को यह सामान लेकर अफगानिस्तान जाने दे। दो महीने से ज्यादा गुजरे, लेकिन इमरान सरकार ने इसकी मंजूरी नहीं दी भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा- यह मुश्किल ऑपरेशन है। पाकिस्तान से बातचीत जारी है। सही वक्त पर जानकारी दी जाएगी।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने क्या कहा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस मामले पर कहा- हम अफगानिस्तान की मदद जारी रखेंगे। भारत सरकार इस मसले पर पाकिस्तान के संपर्क में है। हम जानते हैं कि यह मुश्किल ऑपरेशन है। आप लोगों को भी धैर्य रखना चाहिए। भारत ने पिछले हफ्ते अफगानिस्तान को एयर रूट के जरिए

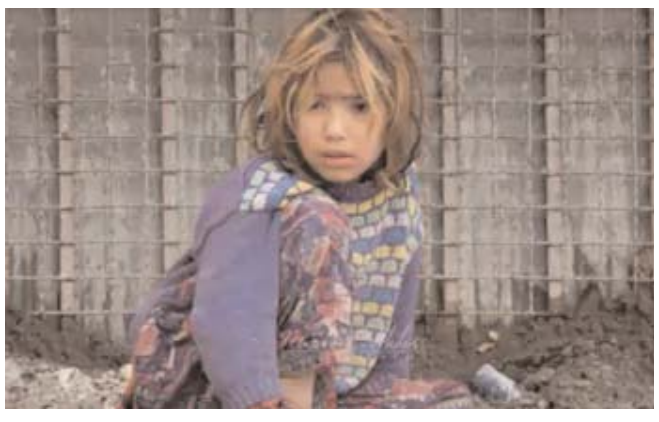

दवाइयां और लाइफ सेविंग इक्युपमेंट्स भेजे थे। रिटर्न फ्लाइट में 10 भारतीय और 94 अफगान नागरिक भारत आए थे। भारत ने 10 नवंबर को एक मीटिंग बुलाई थी।

इसमें रूस, ईरान, कजाकस्तान, किर्गीस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के NSA शामिल हुए थे। इसी मीटिंग में अफगानिस्तान को गेहूं और दवाइयां भेजने का वादा किया गया था।

पाकिस्तान को क्या परेशानी

7 अक्टूबर को भेजे गए भारतीय विदेश मंत्रालय के लेटर का जवाब पाकिस्तान ने 24 नवंबर को दिया। इसमें फिजूल सी शर्तें रख दीं। उसका कहना है कि भारत के ट्रक वाघा बॉर्डर पर सामान उतारकर पाकिस्तान के ट्रकों में लोड कर दें। वहां से इन्हें पाकिस्तान के ट्रकों में लोड किया जाए। फिर ये ट्रक अफगानिस्तान पहुंचें।

दरअसल, पाकिस्तान एक तीर से दो शिकार करना चाहता है। पहला- पाकिस्तानी ट्रक जब सहायता सामग्री लेकर जाएंगे तो बीच में इस पर हाथ साफ किया जा सकता है, यानी चोरी की जा सकती है। इन्हें अपने गोदामों में ट्रांसफर कर सकता है। दूसरा- ट्रकों पर पाकिस्तान का झंडा होगा। मतलब अफगानिस्तान की जनता ये समझे कि उन्हें भूख से बचाने के लिए पाकिस्तान गेहूं और दवाईयां भेज रहा है।

भारत भी सतर्क

पाकिस्तान की शर्तों या मांगों को भारत सरकार बहुत बेहतर समझती है। यही वजह है कि भारत ने पहले ही साफ कर दिया कि अफगानिस्तान तक भारत के ही ट्रक जाएंगे। इन ट्रकों के साथ ह की टीम होगी।

बाइडन ने चेताया: ठंड में ओमिक्रॉन से होंगी ज्यादा मौतें, अमेरिका में 24 घंटे में गई 1200 लोगों की जान

वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन का फैलाव तेजी से बढ़ता जा रहा है। सरकार के रोकने के प्रयासों के बाद भी ओमिक्रॉन वैरिएंट मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। बीते 15 दिनों में कोरोना संक्रमण के मामलों में 35 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसी बीच राष्ट्रपति जो बाइडन ने ठंड के दिनों में ओमिक्रॉन बढ़ने और इससे अधिक मौत होने की आशंका जताई है। बाइडन ने टीकाकरण लेने वाले लोगों को बूस्टर दिलवा सकती गै और उन लोगों के महत्व पर जोर दिया, जिन्हें अभी तक अपना पहला शॉट प्राप्त करने के लिए टीका लगाया जाना है। ओमिक्रॉन के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए त-7 देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें ओमिक्रॉन को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे खतरनाक बताया गया है। व्हाइट हाउस ने

बताया कि ओमिक्रॉन तेजी से पैर पसार रहा है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका, दुनिया में सबसे कठिन देश बना हुआ है। कोरोना से प्रतिदिन करीब 1150 लोगों की मौत हो रही है।ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर यूरोपीय देशों ने यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। सबसे पहले ब्रिटेन ने इसकी शुरुआत की थी।

अमेरिका ने बनाया नया सॉफ्टवेयर: अमेरिका ने बनाया नया सॉफ्टवेयर- चीन सरकार के पैंतरों व चाल पर नजर रखेगा

वाशिंगटन। अमेरिका ने चीन के पैंतरों और चाल को भांपने से लिए नया सॉफ्टवेयर बनाया है। आटिर्फिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर आधारित इस सॉफ्टवेयर में 2020 के बाद का डेटा फीड किया गया है। इस सॉफ्टवेयर के जरिए हाल के दिनों में अमेरिका की ओर से हथियारों की बिक्री, अमेरिका का सहयोगी देशों के साथ सैन्य अभ्यास और यहां तक कि ताइवान में अमेरिकी राजनयिकों की यात्रा के बाद चीन की प्रतिक्रिया के डेटा को फीड किया गया है।

इसमें अमेरिका के इन कदमों के बाद चीन की प्रतिक्रिया के डेटा को फीड किया गया है। इसके आधार पर नया सॉफ्टवेयर किसी भी नई परिस्थिति में चीन के संभावित कदमों के बारे में जानकारी देगा। इससे अमेरिका को रणनीति बनाने में मदद मिलेगी। अमेरिकी उप रक्षा मंत्री

कैथलीन हिक्स ने हवाई में सॉफ्टवेयर को कमांडरों की बैठक में लॉन्च किया।

पेंटागन ने खुफिया सूचनाओं में कमी के बारे में कहा था

अमेरिकी रक्षा एजेंसी पेंटागन ने हाल में चीन के मुकाबले में खुफिया सूचनाओं में कमी के बारे में चिंता जताई थी। पेंटागन ने कहा था कि हाल के सालों में अमेरिका को चीन के बारे में खुफिया सूचनाएं नहीं मिल रही हैं। जासूसी नेटवर्क कमजोर हो चला है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ग्वालियर को गडकरी ने दी करोड़ों की सौगात पर धन्यवाद के साथ-साथ सिंधिया ने माफी क्यों मांगी?

नई दिल्ली। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के जरिए नितिन गडकरी लगातार अलग-अलग प्रदेशों को नई-नई सौगातें देते रहते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने मध्यप्रदेश को भी 1814 करोड़ की सड़कों की सौगात दी है। नितिन गडकरी के इस कदम की सराहना करते हुए केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उनका धन्यवाद किया। दरअसल, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने प्रदेश में 600.13 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजना को अनुमति प्रदान की है। इसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ट्वीट के जरिए केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का धन्यवाद दिया। धन्यवाद के साथ साथ ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नितिन गडकरी से माफी भी मांग ली। सवाल यही उठता है कि आखिर नितिन गडकरी से सिंधिया ने माफी क्यों मांगी?

केंद्र ने लिया वापस लेकिन बीजेपी शासित ये राज्य अभी भी कृषि कानून पर अड़ा, किसान संगठन ने दी विधान सौध घेराबंदी की धमकी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को रद्द करने के ऐलान ने पूरे देश को चौंका दिया। लेकिन पीएम मोदी के इस फैसे से बीजेपी-शासित राज्य केंद्र सरकार के कानूनों के आधार पर अपने कानून बना लिए थे, और जिसके बाद वो दुविधा में थे। लेकिन अब कर्नाटक सरकार ने विधानसभा सत्र में कर्नाटक कृषि उत्पाद विपणन समिति (एपीएमसी) कानून में संशोधन को रद्द नहीं करने का फैसला किया है। जिसके बाद इस फैसले को लेकर विरोध भी देखने को मिल रहा है। कर्नाटक राज्य रायथा संघ-हसीरू सेना ने सोमवार को विधान सौध की घेराबंदी की घोषणा की है। सहकारिता मंत्री एस टी सोमशेखर ने कहा कि राज्य कर्नाटक कृषि उत्पाद विपणन (विनियमन और विकास) (संशोधन) अधिनियम, 2020 जारी रहेगा जो किसानों को एपीएमसी के बाहर अपनी उपज बेचने की अनुमति देता है। वर्तमान कानून किसानों के हित में है क्योंकि यह एपीएमसी बाजारों के बाहर भी अपनी उपज बेचने की आजादी देता है। केंद्रीय नीति का राज्य के कानून पर कोई असर नहीं पड़ेगा और हम इसे नहीं बदलेंगे। केंद्र द्वारा तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने की मोदी की घोषणा के तुरंत बाद सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा था कि वह पार्टी के शीर्ष अधिकारियों के निर्देशों का इंतजार करेंगे और फिर निर्णय लेंगे। कर्नाटक में विपक्षा चाहता है कि राज्य सरकार अपने कानून को वापस ले ले।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ऐतिहासिक श्री रमणा काली मंदिर का किया उद्घाटन, 1971 में पाकिस्तानी सेना ने किया था नष्ट

ढाका। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ऐतिहासिक श्री रमणा काली मंदिर का यहां शुक्रवार को उद्घाटन किया। वर्ष 1971 में पाकिस्तानी सेना ने इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है। कोविंद बांग्लादेश के राष्ट्रपति एम. अब्दुल हामिद के निमंत्रण पर अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर ढाका आए हैं। वह 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की आजादी की स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा ले रहे हैं। राष्ट्रपति और प्रथम महिला सविता कोविंद ने जीर्णोद्धार किए गए मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के तहत 1971 में पाकिस्तानी सेना ने मंदिर को पूरी तरह से तोड़ दिया था। कुछ खबरों के अनुसार, मंदिर को आग लगा दी गयी थी और इस घटना में श्रद्धालुओं तथा मंदिर में रहने वाले तमाम लोग मारे गए थे। भारत ने मंदिर के जीर्णोद्धार में मदद की। मुस्लिम बहुल बांग्लादेश में 10 प्रतिशत आबादी हिन्दुओं की है। देश की कुल आबादी 16.9 करोड़ है।

राहुल और प्रियंका गांधी शनिवार को अमेठी में पदयात्रा करेंगे, मोदी सरकार की नीतियों का करेंगे विरोध

अमेठी(उप्र)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और उत्तर प्रदेश कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी शनिवार यानी 18 दिसंबर को अमेठी के जगदीशपुर से हारीमऊ गांव तक छह किलोमीटर की पदयात्रा करेंगे। कांग्रेस की जिला ईकाई के प्रवक्ता अरविंद चर्तुवेदी ने बताया कि 18 दिसंबर को सुबह लखनऊ के अमौसी हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद राहुल और प्रियंका सड़क मार्ग से अमेठी पहुचेंगे। वे यहाँ आरक्षित विधान सभा सीट जगदीशपुर के जगदीशपुर रामलीला मैदान से हारीमऊ गांव तक मोदी सरकार की नीतियों के विरोध में आयोजित करीब छह किलोमीटर की 'जन जागरण अभियान' महंगाई हटाओ, भाजपा भगाओ पदयात्रा में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि राहुल और प्रियंका का एक दिवसीय अमेठी दौरा है। पदयात्रा के समापन स्थल हारीमऊ में राहुल और प्रियंका एक सभा को भी संबोधित करेंगे। राहुल और प्रियंका की पदयात्रा को सफल बनाने के लिए कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है। लंबे अर्से बाद अमेठी आ रहे राहुल के स्वागत में कांग्रेस के कार्यकर्ता कोई कोर कसर नही छोड़ रहे हैं। राहुल और प्रियंका के स्वागत में जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस समिति के सदस्य नरेंद्र मिश्र ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का अमेठी से परिवार जैसा रिश्ता है। वे हमेशा अमेठी और यहाँ के लोगों के लिए सोचते और काम करते हैं। कोरोना काल में वे अपने इस परिवार की मदद के लिए सब से आगे रहे। गौरतलब हैं कि जगदीशपुर विधान सभा सीट आरक्षित है और यहां से भाजपा के सुरेश पासी विधायक हैं जो प्रदेश सरकार में मंत्री भी हैं। राहुल गांधी 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की स्मृति ईरानी से हारने के बाद दूसरी बार अमेठी के दौरे पर आ रहे हैं। राहुल गांधी 15 वर्षों तक यहाँ से सांसद रहे।

एक दिन में कोविड-19 के 7,447 नए मामले, 24 घंटे में 391 मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 7,447 नए मामले सामने आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,47,26,049 हो गयी जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 86,415 रह गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, 391 मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 4,76,869 हो गयी है। संक्रमण के दैनिक मामले पिछले 50 दिनों से 15,000 से कम बने हुए है। मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.25 प्रतिशत है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.38 प्रतिशत दर्ज की गयी जो मार्च 2020 के बाद से सबसे अधिक है।

लखनऊ में अमित शाह की हुंकार, कहा- यूपी में अब माफियाओं की खैर नहीं, 300 से ज्यादा सीटें जीतेगी भाजपा

लखनऊ (एजेंसी)।

देश के गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह आज उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में थे जहां 'सरकार बनाओ-अधिकार पाओ' रैली को उन्होंने संबोधित किया। इस रैली में अमित शाह ने योगी सरकार के कामकाज को गिनाए और दावा किया कि भाजपा अपने सहयोगियों के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में 300 से ज्यादा सीटें जीतकर सत्ता में वापसी करेगी। विपक्ष पर हमला करते हुए अमित शाह ने कहा कि मैं आप सभी को पूछना चाहता हूं कि ये सपा, बसपा, कांग्रेस ने कई वर्षों तक देश और प्रदेश में शासन किया, आपको क्या दिया? मोदी जी की सरकार ने गरीबों के जीवन स्तर उठाने के लिए गैस, शौचालय, घर, स्वास्थ्य बीमा जैसी अनेक सुविधाएं दी। सपा, बसपा, कांग्रेस ने कई वर्षों तक देश और उत्तर प्रदेश में शासन किया, लेकिन गरीबों के घर में न रसोई गैस पहुंची, न शौचालय बना।

इसके साथ ही शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा, बसपा की सरकारें बनी, तो उन्होंने सिर्फ अपनी जाति के लोगों के लिए काम किया। सभी पिछड़ी जातियों, सभी गरीबों के हित में काम नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। वर्षों से एक अलग मंत्रालय बनाने की मांग थी। 2019 में मोदी जी ने पिछड़े समाज को लिए एक अलग मंत्रालय बनाकर उस मांग को पूरा किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश में माफिया, गुंडों का राज होता है, वहां गरीब का विकास कभी नहीं होता। गरीब का विकास तभी होता है जब कानून का राज हो। सपा-बसपा की सरकारें माफियाओं को संरक्षण देती थी। योगी जी की सरकार में सारे माफिया पलायन कर गये हैं।

अमित शाह ने योगी आदित्यनाथ के सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि सीएम योगी ने यूपी को माफियाओं से मुक्त किया है, गुंडों से मुक्त किया है। अब यहां माफियाओं की खैर नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राम मंदिर बनने का मार्ग प्रशस्त किया। बसपा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने राम मंदिर नहीं बनने दिया। उन्होंने राम मंदिर की राह में बाधाएं डाली। अमित शाह ने कहा कि जहां प्रभु श्री राम का जन्म हुआ आज वही भव्य मंदिर बन रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर से जो निषाद उमड़ कर आए हैं (रैली में) वो बताता है कि 2022 में 300 पार के साथ भाजपा और एनडीए की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि योगी जी के कोविड प्रबंधन का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश अब कोरोना के भय से मुक्त होकर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

जनसभा में भीड़ देखकर गद्गद् हुए उमर अब्दुल्ला ने भाजपा के बारे में कर दिया बड़ा दावा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला घाटी में अपनी पार्टी के प्रचार कार्य में जोरशोर से लगे हुए हैं। उनकी सभाओं में भीड़ उमड़ भी रही है। भीड़ देखकर गद्गद् हो रहे उमर अब्दुल्ला बड़े-बड़े वादे भी कर रहे हैं लेकिन साथ ही कई ऐसे दावे भी कर दे रहे हैं जिन्हें साबित करने के लिए उनके पास कोई तथ्य नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने अब दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी कश्मीर घाटी में नए राजनीतिक दल खड़े कर रही है ताकि वह विधानसभा में बहुमत सुनिश्चित कर जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को निरस्त करने तथा इसे केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के पक्ष में प्रस्ताव पारित कर सके। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी जानती है कि जब भी चुनाव होंगे, वह अपने दम पर सदन में बहुमत हासिल नहीं कर पाएगी। उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'वे विधानसभा में बहुमत का उपयोग कर एक प्रस्ताव लाना चाहते हैं, जो पिछले प्रस्ताव को निरस्त कर देगा। इसके बाद वे उच्चतम न्यायालय जाएंगे और कहेंगे कि (अनुच्छेद 370 को) निरस्त करने के खिलाफ (नेशनल कांफ्रेंस के लोकसभा सदस्यों द्वारा) दाखिल मामला झूठा है, क्योंकि जनता संतुष्ट है। ऐसे में उच्च न्यायालय के पास मामले को रफा-दफा करने के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा।'

उन्होंने कहा, 'भाजपा जानती है कि कश्मीर में उसे एक भी सीट नहीं मिलने वाली...इसलिये बहुमत तक पहुंचने के लिये नयी पार्टियां खड़ी की जा रही हैं। पीएजीडी (पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन) का गठन यह सुनिश्चित करने के लिये किया गया है कि भाजपा बहुमत तक न पहुंच पाए।' उमर अब्दुल्ला ने उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा में पार्टी के सम्मेलन को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उमर अब्दुल्ला ने साथ ही एक अन्य सभा को संबोधित करते हुए पड़ोसी पाकिस्तान के साथ मधुर रिश्ते बनाये रखने की वकालत भी की। उन्होंने कहा कि हमने दो ऐसे प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया जो पड़ोसी देशों से मधुर संबंध बनाये रखने के पक्षधर थे और कश्मीर से जुड़े मुद्दे वार्ता से हल करना चाहते थे लेकिन आज के शासन के साथ ऐसा नहीं है।

कश्मीर में भी बैंक हड़ताल

दूसरी ओर, राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का असर जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिल रहा है। श्रीनगर में एसबीआई शाखा के बाहर निजीकरण के विरोध में बैंक कर्मचारियों ने

प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार से मांग की कि वह निजीकरण का फैसला वापस ले। प्रभासाक्षी संवाददाता से बातचीत करते हुए बैंक कर्मचारियों ने कहा कि आज दो बैंकों के निजीकरण का प्रस्ताव है लेकिन भविष्य में बाकी सब सरकारी बैंकों का भी निजीकरण कर दिया जायेगा। गौरतलब है कि फरवरी में पेश केंद्रीय बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्र की विनिवेश योजना के तहत दो सरकारी बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। निजीकरण की सुविधा के लिए, सरकार ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2021 को संसद के मौजूदा सत्र के दौरान पेश करने और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है।

महाराष्ट्र और केंद्र के बीच टकराव कोई नई बात नहीं, अब जैतापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र को लेकर आमने-सामने दोनों सरकारें

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र और महाराष्ट्र सरकार इन दिनों कई परियोजनाओं को लेकर आमने-सामने हैं। एक बार फिर दोनों ही सरकारें जैतापुर में 6 परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने को लेकर आमने सामने हो गई है। केंद्र सरकार ने जैतापुर में 6 परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने को लेकर सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है तो वही महाराष्ट्र में सरकार में शामिल एनसीपी ने साफ तौर पर कहा कि स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए बिना केंद्र सरकार कोई भी परियोजना जबरन लागू नहीं कर सकता है। दरअसल, विवाद शुरू हुआ केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के राज्यसभा में दिए एक लिखित जवाब से। राज्यसभा में जितेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार ने फ्रांस के साथ तकनीकी सहयोग से 1,650-1,650 मेगावाट के छह परमाणु बिजली संयंत्रों की स्थापना के लिए महाराष्ट्र में जैतापुर में स्थल की सिद्धांततः मंजूरी प्रदान कर दी है जो 9,900 मेगावाट की कुल क्षमता के साथ सबसे बड़ा परमाणु बिजली उत्पादन स्थल बन जाएगा।

वहीं केंद्र सरकार के इस परियोजना का विरोध करते हुए एनसीपी प्रवक्ता और महाराष्ट्र सरकार में वरिष्ठ मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि विकास और नयी परियोजनाओं की आवश्यकता है लेकिन स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए बिना नहीं। उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए बिना कोई परियोजना थोप नहीं सकती। जैतापुर परियोजना संप्रग सरकार लेकर आयी थी लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के कारण इसे रोकना पड़ा था।'' मलिक ने कहा कि हाल में तीन कृषि कानूनों को वापस लेना इसका उदाहरण है कि जब फैसले पक्षकारों से विचार-विमर्श किए बिना लिए जाते हैं, तो क्या होता है।

दिल्ली दंगा: चश्मदीदों के बयान और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सुलेमान हत्याकांड में आरोपी को जमानत देने से हाई कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगे से जुड़े एक मामले में चश्मदीद गवाहों के बयानों और सीसीटीवी फुटेज को ध्यान में रखते हुए एक आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। हाई कोर्ट ने दिल्ली दंगों के दौरान सुलेमान की हत्या करने वाली भीड़ का हिस्सा होने के आरोपी एक व्यक्ति को जमानत देने से इनकार कर दिया है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता ने आशीष को धारा 147 (दंगा), 148 (दंगा, घातक हथियार से लैस), 149 (गैरकानूनी सभा), 153 ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के तहत करावल नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी संख्या 58/2020 में जमानत देने से इनकार कर दिया।

बता दें अभियोजन पक्ष का यह मामला था कि मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सुलेमान और उसके भाई सनोबर को पीटा गया। सनोबर को गंभीर चोटें आईं, लेकिन वह अपनी जान बचाने में सफल रहा, सुलेमान को बेरहमी से पीटा गया और फिर उसे मृत समझकर नाले में फेंक दिया गया। सनोबर ने अपने बयान में कहा था कि वह सुलेमान, आदित्य, मामूर, अरसद, आरिफ, कासिम, सुनील और अन्य के साथ ठेकेदार यूसुफ के साथ काम कर रहा था और दंगों के बाद हाथों में डंडे और डंडे लिए खड़े करीब 40 लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि लोगों ने उनसे पहचान पत्र मांगा और जब उन्होंने पहचान पत्र दिखाया तो सुनील को भाग जाने को कहा। इसके बाद सुनील ने भीड़ से कहा था कि वह सनोबार और सुलेमान के साथ आया था और उनके साथ जाएगा जिसके बाद लोगों ने सनोबार और सुलेमान को पकड़ते हुए मारपीट की और धक्का दिया। जिसके बाद पिटाई की वजह से सनोबर बेहोश हो गया और बाद में उसे पता चला कि सुलेमान, जिसे उसकी मौजूदगी में पीटा भी गया था, उसकी मौत हो गई है।

अखिलेश का योगी सरकार पर हमाल, कहा- भाजपा ने जनता को सिर्फ दिक्कत, जिल्लत और किल्लत दी है

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में आगामी चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दलों के बीच अब तल्खियां बढ़ती जा रही है। नेता एक दूसरे पर जमकर हमलावर हैं। इन सब के बीच समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव लगातार उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर हमला बोल रहे हैं। आज एक बार फिर से योगी सरकार पर अखिलेश यादव ने जमकर हमला किया। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि आप बताएं कि आखिर कौन से क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को अपने नंबर वन बनाया है? उन्होंने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि यूपी में इज ऑफ डूइंग बिजनेस नहीं है बल्कि इज ऑफ डूइंग क्राइम है।

अखिलेश ने कहा कि सड़कों की हालत देखिए। यदि आप उद्घाटन के लिए एक नवनिर्मित सड़क पर एक नारियल तोड़ते हैं, तो नारियल नहीं बल्कि सड़क टूटेगी। केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी के बहाने उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री बताएं कि आखिर वह अपना फेवरेट बुलडोजर लखीमपुर खीरी कब ले जा रहे हैं? उन्होंने भाजपा पर हमला जारी रखते हुए कहा कि जो लोग यूपी को नंबर 1 बनाने का दावा करते हैं, वे वास्तव में हिरासत में होने वाली मौतों, भूख सूचकांक, किसान आत्महत्या, सार्वजनिक उद्यमों और बैंकों को

बेचने और जीवित गायों को दफनाने में शीर्ष स्थान पर ले गए हैं। क्या कोई कल्पना कर सकता है कि जीवित गायों को दफनाया जा सकता है?

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जनता समाजवादी पार्टी के साथ खड़ी है। भाजपा ने जनता को सिर्फ दिक्कत, जिल्लत और किल्लत दी है। योगी सरकार कहती है कि ऑक्सीजन की कमी से किसी की मृत्यु नहीं हुई है। मुख्यमंत्री जी केवल झूठ बोलना जानते हैं। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनकी पार्टी अपने सहयोगी दलों के साथ अमेठी और रायबरेली समेत प्रदेश के सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि भले ही लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा सम्मान और शिष्टाचार के नाते एक दूसरे के लिए सीटें छोड़ते हैं लेकिन विधानसभा चुनाव में हम अपनी पूरी ताकत के साथ लड़ेंगे।

क्या भारत में लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल होनी चाहिए? जानिए इस फैसले की वजह

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में अब लड़कियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, इस प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है और सरकार इसको लेकर कानूनों में संशोधन करेगी। आपको बता दें कि, पीएम मोदी ने 15 अगस्त 2020 को अपने संबोधन में इसका जिक्र करते हुए कहा था कि, बेटियों को कुपोषण से बचाने के लिए शादी उचित समय पर करना जरूरी है। कानून के मुताबिक, देश में पुरुषों की शादी की न्यूनतम उम्र 21 और महिलाओं की 18 साल है। लेकिन अब सरकार इस कानून में संशोधन करेगी। बाल विवाह निषेध कानून, स्पेशल मैरिज एक्ट और हिंदू मैरिज एक्ट के तहत कानूनों में संशोधन करेगी। जया जेटली की अध्यक्षता वाली नीति आयोग की टास्क फोर्स ने प्रस्ताव का समर्थन किया था।शीर्ष सरकारी विशेषज्ञ वीके पॉल, स्वास्थ्य मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कानून मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी टास्क फोर्स के सदस्यों में शामिल थे, जिसे पिछले साल जून में स्थापित किया गया था।

अब सवाल यह है कि, आखिर सरकार ने लड़कियों की उम्र 21 साल करने का फैसला क्यों किया हैं? हिंदी अखबार में छपी एक खबर के मुताबिक, शादी के लिए लड़कियों की उम्र में बदलाव आना चाहिए और इसकी मांग कई वर्गों से की गई थी। लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल कराने के पीछे का कारण महिला और पुरूष के बीच का भेद खत्म करना है। इसके अलावा लड़कियों को कमाने का पुरूषों के बराबर मौका मिलेगा। बताया यह भी जा रहा है कि, कम उम्र की लड़कियों को गर्भधारण, प्रसव में होने वाली कई समस्याएं पैदा हो जाती है। इसके अलवा कम उम्र में जो लड़कियां बच्चे पैदा करती है उससे बच्चे में कुपोषण के मामले सबसे ज्यादा अधिक होता है। मां और शिशु की मृत्य को कम करने के लिए सरकार लड़कियों की उम्र 18 से 21 करने का फैसला किया है।

सवाल तो यह भी है कि क्या सरकार यह फैसाल जनसंख्या को नियंत्रण करने के लिए लिया गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, शादी की उम्र को बढ़ाने के पीछे शिशु के जन्म से जुड़ा हुआ है। अगर लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ जाती है तो इससे वह उच्च शिक्षा और नौकरी हासिल कर पाएंगी। इसके अलावा महिलाएं अपनी शादी को लेकर खुद फैसला करने के लिए आत्मनिर्भर होंगे। आपको बता दें कि, सरकार के इस प्रस्ताव का कई लोग विरोध कर रहे है। विरोध करने का सबसे बड़ा कारण वोटिंग एज बताई जा रही है। कुछ लोगों का मानना है कि, आबादी का एक हिस्सा गैरकानून रूप से शादी रचा सकता है और पिछड़े वर्गों के लोग अपनी पूरानी परपंराओं की कारण इन कानूनों को तोड़ भी सकते है।

जानिए अलग-अलग देशों में क्या है लड़कियों की उम्र

स्पेन में पहले लड़कियों की शादी की उम्र 14 वर्ष थी लेकिन अब इसे बदलकर 16 कर दी गई है। वहीं इंगलैंड और वेल्स में लड़कियां एगर 18 या 17 साल की हुई तो वह अपने माता-पिता से मंजूरी लेकर शादी रचा सकती है। चीन में लड़कियों की शादी की उम्र में 20 साल है और लड़कों की 22 साल है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

HC के रिटायर्ड जजों के खिलाफ CBI ने दायर की चार्जशीट, मेडिकल कॉलेज के पक्ष में फैसला देने के लिए रिश्वत लेने का आरोप

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दो रिटायर्ड जजों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। हाईकोर्ट के जिन दो रिटायर्ड जजों के खिलाफ केस दर्ज किया है उसमें एसएन शुक्ला और आईएम कुद्दुशी शामिल हैं। एसएम शुक्ला इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज हैं तो वही कुद्दुशी ओड़िशा हाईकोर्ट के रिटायर जज हैं। यह मामला एक मेडिकल कॉलेज में रिश्वत लेने से जुड़ा हुआ है। सीबीआई ने इसी हफ्ते करप्शन एक्ट और अन्य धाराओं के तहत स्थानीय कोर्ट में चार्जशीट दायर किया है। इस चार्जशीट में आधा दर्जन से ज्यादा अन्य लोगों का नाम भी है। इसी साल जनवरी के महीने में इसी केस में रिटायर जस्टिस कुद्दुशी के खिलाफ एक चार्जशीट दायर की गई थी। इसके अलावा कुद्दुशी और शुक्ला के खिलाफ 4 दिसंबर, 2019 को सीबीआई ने एक अन्य करप्शन केस दायर किया था। जस्टिस एसएन शुक्ला पिछले साल जुलाई के महीने में सेवानिवृत्त हुए थे। सीबीआई को करीब तीन हफ्ते पहले इन दोनों रिटायर्ड जजों के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति मिली थी। पिछले साल जनवरी में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि जांच एजेंसी ने फोन पर हुई बातचीत का हवाला दिया था जिसमें कहा गया था कि यह बातचीत पूर्व जज कुद्दुसी और एक मिडिलमैन के बीच हुई थी। इस बातचीत में लखनऊ के एक मेडिकल कॉलेज के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट से फैसले दिलवाने की बात कही गई थी।

महापौर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी, काशी की अर्थव्यवस्था को चलाने में माता गंगा का बड़ा योगदान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित अखिल भारतीय मेयर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद हैं। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने कहा, पिछले 7 वर्षों में काशी ने विकास के नए मापदंड स्थापित किए। 7 साल पहले जो लोग काशी आए वो आज काशी को नहीं पहचानते क्योंकि 2014 के पहले काशी में बिना किसी प्लान के केवल अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए जो विकास होते थे वो यहां के जनजीवन की व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर देते थे।

- आपको तय करना चाहिए कि मेरे शहर की हर गली में हर बल्ब एलईडी हो। इससे नगर पालिका, महानगर पालिका के बिजली का बिल काफी कम हो जाएगा और रोशनी भी अच्छी मिलेगी। उस प्रकार से अपने शहर के हर घर में भी एलईडी बल्ब उपलब्ध हो, इससे मध्यम वर्ग के घरों में बिजली का बिल कम होगा- प्रधानमंत्री

- काशी के गंगा घाट पर दुनियाभर के पर्यटक आते हैं। काशी की अर्थव्यवस्था को चलाने में माता गंगा को बहुत बड़ा योगदान है। हम सभी को अपने शहरों की नदी के प्रति एक संवेदनशील अप्रोच अपनानी होगी- पीएम मोदी

- आपको तय करना चाहिए कि मेरे शहर की हर गली में हर बल्ब एलईडी हो। इससे नगर पालिका, महानगर पालिका के बिजली का बिल काफी कम हो जाएगा और रोशनी भी अच्छी मिलेगी। उस प्रकार से अपने शहर के हर घर में भी एलईडी बल्ब उपलब्ध हो, इससे मध्यम वर्ग के घरों में बिजली का बिल कम होगा- प्रधानमंत्री

- काशी के गंगा घाट पर दुनियाभर के पर्यटक आते हैं। काशी की अर्थव्यवस्था को चलाने में माता गंगा को बहुत बड़ा योगदान है। हम सभी को अपने शहरों की नदी के प्रति एक संवेदनशील अप्रोच अपनानी होगी- पीएम मोदी

- अभी हाल में जब मैं काशी में था तब मैंने कहा था कि काशी का विकास पूरे देश के लिए विकास का एक रोडमैप बन सकता है। हमारे देश में ज्यादातर शहर पारंपरिक शहर ही हैं, पारंपरिक तरीके से ही विकसित हुई है। आधुनिकीकरण के इस दौर में हमारे इन शहरों की प्राचीनता भी उतनी ही अहमियत है- पीएम मोदी सम्मेलन की थीम न्यू अर्बन इंडिया रखी गई है। पीएमओ की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, शहरी क्षेत्रों में जीवन को आसान बनाने के लिए प्रधानमंत्री का निरंतर प्रयास रहा है, सरकार ने शहरी बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की कमी के मुद्दों को हल करने के लिए कई योजनाएं और पहल शुरू की हैं।

बयान में आगे कहा गया है कि इन प्रयासों का खास तौर से फोकस उत्तर प्रदेश पर रहा है, जिसने विशेष रूप से पिछले पांच सालों में शहरी परिदृश्य में जबरदस्त प्रगति और परिवर्तन देखा है। शहरों के विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और यूपी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए 17 से 19 दिसंबर तक एक प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही है।

नए साल पर दिल्ली की सड़कों से हटेंगे ऐसे 3 लाख वाहन

नई दिल्ली। यदि आप दिल्ली में रहते हैं और आपकी गाड़ी डीजल वाली है तो फिर यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। दिल्ली सरकार ने 1 जनवरी से उन डीजल वाहनों का रजिस्ट्रेशन समाप्त करने का फैसला लिया है, जिनके 10 साल पूरे हो चुके हैं या फिर 1 जनवरी, 2022 को यह अवधि पूरी हो जाएगी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश के मुताबिक दिल्ली सरकार की ओर से यह फैसला लिया जा रहा है। इसी सप्ताह परिवहन विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक इन गाड़ियों के मालिकों को एनओसी जारी की जाएगी ताकि वे किसी अन्य स्थान पर भी उन्हें डीरजिस्टर करा सकें। हालांकि यह एनओसी उन वाहनों के लिए नहीं होगी, जिनके 15 साल पूरे हो चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 29 अक्टूबर, 2018 को दिल्ली में 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन और 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियों पर रोक का आदेश दिया था। इससे पहले 2014 में एनजीटी का आदेश था कि 15 साल से ज्यादा पुराने वाहनों को पब्लिक प्लेस पर पार्किंग के लिए भी जगह नहीं दी जानी चाहिए। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने कहा, हम पुराने डीजल वाहनों के खिलाफ ऐक्शन ले रहे हैं। अब तक करीब 1

लाख ऐसे वाहनों का रजिस्ट्रेशन खत्म हुआ है। अब 1 जनवरी, 2022 से सख्ती के साथ ऐसी सभी गाड़ियों का पंजीकरण समाप्त होगा। अब तक 1 लाख पर रोक लग चुकी है और फिलहाल 2 लाख ऐसी गाड़ियां और हैं, जो कम से कम 10 साल पुरानी हैं।

पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू की चल रही

पहले बने चुनाव समिति के मुखिया, अब डीजीपी भी अपनी पसंद का

चंडीगढ़। चन्नी सरकार ने पंजाब के लिए नए डीजीपी के नाम की घोषणा कर दी है। आईपीएस अधिकारी सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय को इकबाल प्रीत सिंह सहोता की जगह पंजाब का नया पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। चट्टोपाध्याय की नियुक्ति को पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू का समर्थन मिल रहा है। वहीं, दूसरी ओर मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और गृह मंत्री सुखजिंदर रंधावा का समर्थन सहोता को प्राप्त था। इससे पहले, संघ लोक सेवा आयोग से नौ अधिकारियों का एक पैनल डीजीपी पद के लिए

नामों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए भेजा गया था।

कहा जाता है कि सिद्धू ने इकबाल प्रीत सिंह सहोता को डीजीपी नियुक्त करने को लेकर पंजाब कांग्रेस प्रमुख के पद से भी इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, सिद्धू ने बाद में अपना इस्तीफा वापस ले लिया था। इससे पहले उन्होंने एक शर्त रखी कि जिस दिन एक नया महाधिवक्ता नियुक्त किया जाएगा और यूपीएससी से एक नए पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति के लिए एक पैनल आएगा, उस दिन वह फिर से कार्यभार संभालेंगे।

चट्टोपाध्याय की नियुक्ति की पुष्टि करने वाली सरकारी अधिसूचना में कहा गया है, ÷आईपीएस अधिकारी इकबाल प्रीत सिंह सहोता (1988, पंजाब कैडर) को विशेष डीजीपी सशस्त्र बटालियन, जालंधर, बनाया गया है। वहीं, सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय (1986 बैच) को राज्य का नया डीजीपी नियुक्त किया जा रहा है, जो कि अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

ओमिक्रॉन संक्रमित युवक घूम आया होटल और मॉल, सबकी ट्रेसिंग और टेस्टिंग बनी चुनौती

तिरुवनंतपुरम। केरल में ओमिक्रॉन से संक्रमित युवक कोरोना प्रोटोकॉल को तोड़कर मॉल, रेस्टोरेंट समेत मार्केट में जा पहुंचा है। संक्रमित युवक द्वारा मार्केट घूमने के बाद प्रशासन के हाथ पैर फूल गए हैं। अब प्रशासन इस युवक के संपर्क में आए लोगों की लिस्ट तैयार करने में जुटा हुआ है। प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि संक्रमित युवक मॉल में किन-किन दुकानों में गया और उसके संपर्क में कितने लोग आए हैं। वहीं, जिस रेस्टोरेंट में वह खाना खाया है, उसके आसपास कितने लोग वहां मौजूद थे। स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने बताया कि विभाग युवक का रूट मैट जारी करेगा और उसके संपर्क में आए लोगों से अपील किया जाएगा कि वो जल्द से जल्द स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें और कोरोना टेस्ट करवाए। उन्होंने कहा कि ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित होने पर जरुरी प्रोटोकॉल्स का नियम पूर्वक पालन करने बेहद ही जरूरी है। विशेषज्ञों की मानें तो ओमिक्रॉन वैरिएंट काफी तेजी से फैलता है। ओमिक्रॉन डेल्टा वैरिएंट से कई गुणा ताकतवर है। बताया जा रहा है कि यह वैरिएंट पूरे समुदाय को एक साथ अपनी चपेट में ले सकता है।

केरल में कोरोना बेकाबू

देश में कोरोना प्रभावित वाला राज्य केरल ही है। देश में कुल कोरोना आंकड़ों में से आधा से ज्यादा

संक्रमित मरीज यहीं से निकल रहे हैं। गुरुवार को कोरोना संक्रमण के 3,404 नए मामले सामने आए हैं और 320 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 51,95,997 और मरने वालों का आंकड़ा 43,946 तक पहुंच गया है।

आधार ने बचाए सरकार के 2.25 लाख करोड़ रुपये-यूआईडीएआई ने कहा

फर्जी लाभार्थियों पर लगी रोक

नई दिल्ली। सरकारी योजनाओं के साथ आधार को जोड़ने से फर्जी लाभार्थियों पर रोक लगी जिससे सरकारी खजाने को 2.25 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। यूनिक आईडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के सीईओ सौरभ गर्ग के मुताबिक, अभी तक केंद्र सरकार की 300 योजनाओं और राज्यों की 400 योजनाओं को आधार से जोड़ा जा चुका है।

प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के लिए सरकार ने आधार को जरूरी कर दिया है। इससे केंद्रीय योजनाओं में ही सवा दो लाख करोड़ की बचत हुई। अगर

राज्यों के लाभ को जोड़ा जाए तो यह आंकड़ा और बड़ा हो जाएगा। इससे न सिर्फ फर्जी लाभार्थियों पर रोक लगाने में सफलता मिली, बल्कि सरकारी योजनाओं तक लोगों की पहुंच भी आसान बनी है। ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय सुविधाओं और जीवन सुगमता बढ़ाने में आधार की अहम भूमिका रही है।

आधार से सुविधा-सुरक्षा दोनों बढ़ाने का लक्ष्य

गर्ग ने कहा, आधार के जरिये हम सुविधा और सुरक्षा दोनों बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। एक दशक में कई मील के पत्थर तय किए। अब आधार की दूसरी पारी शुरू करेंगे, जिसमें मुख्य रूप से चार लक्ष्य पर काम करना है।

आधार अपडेट करने के लिए 1.5 लाख पोस्टमैन गांव-गांव जाएंगे, 50 हजार नए केंद्र खुलेंगे जो 6.5 लाख गांवों तक सुविधा पहुंचाएंगे।

आधार के लिए एप बना रहे, जहां जानकारियां अपडेट करना आसान होगा और लेनदेन भी कर सकेंगे।

आधार को पैन, सिम, राशन कार्ड व खाते से लिंक करेंगे, जिससे धोखाधड़ी व अन्य अपराधों पर रोक लगेगी।

आधार को एआई, ब्लॉकचेन, मशीन लर्निंग से जोड़ा जाएगा, सूचनाओं की निजता बरकरार रहेगी।

अतिक्रमण मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, कहा- बड़े शहर बन गए झुग्गी बस्ती, 75 साल से जारी है दुखद कहानी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देशभर में सार्वजनिक भूमि पर हुए अतिक्रमण पर चिंता व्यक्त की और कहा कि यह एक दुखद कहानी है जो पिछले 75 वर्षों से जारी है। प्रमुख शहर झुग्गी बस्तियों में बदल गए हैं। अदालत ने कहा कि यह सुनिश्चित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी स्थानीय प्राधिकार की है कि किसी भी संपत्ति पर अतिक्रमण न हो, चाहे वह निजी हो या सरकारी। इससे निपटने के लिए उन्हें खुद को सक्रिय करना होगा।

जस्टिस एएम खानविलकर, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा, यही समय है जब स्थानीय सरकार जग जाए क्योंकि एक अतिक्रमण हटा दिया जाता है, दूसरी जगह वही अतिक्रमण स्थानांतरित हो जाता है और ऐसे व्यक्ति भी होंगे जो इसमें हेरफेर कर रहे हैं और पुनर्वास का लाभ उठा रहे होंगे। यह देश की दुखद कहानी है। यह अंतत- करदाताओं का पैसा है जो बर्बाद हो जाता है।

शीर्ष अदालत दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें गुजरात और हरियाणा (फरीदाबाद) में रेलवे भूमि से अतिक्रमण हटाने से संबंधित मुद्दों को उठाया गया है। पीठ ने कहा कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण हर जगह हो रहा है और समस्या का समाधान करना होगा। पीठ ने कहा, इसलिए सभी प्रमुख शहर झुग्गी बस्तियों में

बदल गए हैं। किसी भी शहर को देखें, अपवाद हो सकता है जिसे हम नहीं जानते। चंडीगढ़ कहा जाता है कि अपवाद है, लेकिन चंडीगढ़ में भी मुद्दे हैं।

रेलवे की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल केएम नटराज ने पीठ से कहा कि प्राधिकार इस संबंध में देशभर में कार्रवाई करेगा। शीर्ष अदालत ने कहा, यह हर जगह हो रहा है। हमें वास्तविकता का सामना करना होगा। समस्या को हल करना होगा और इसे कैसे हल करना है, संबंधित सरकार को यह जिम्मेदारी लेनी होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि रेलवे यह सुनिश्चित करने के लिए समान रूप से जिम्मेदार है कि उसकी संपत्तियों पर कोई अतिक्रमण नहीं हो और मुद्दा संज्ञान में लाए जाने के तुरंत बाद उसे अनधिकृत कब्जाधारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करनी चाहिए।

पीठ ने यह भी रेखांकित किया कि गुजरात में सूरत-उधना से जलगांव रेलवे लाइन परियोजना अभी भी अधूरी है क्योंकि रेलवे संपत्ति पर 2.65 किलोमीटर तक अनधिकृत ढांचे खड़े हैं। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि रेलवे इन ढांचों के कब्जाधारियों को तुरंत नोटिस जारी करे, जो शेष परियोजना को पूरी करने के लिए तुरंत आवश्यक है। अदालत ने इन कब्जाधारियों को संबंधित परिसर खाली करने के लिए दो हफ्ते का समय देने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि जिन ढांचों को तुरंत खाली करने की आवश्यकता नहीं है, उनके संबंध में रेलवे प्रस्तावित नोटिस में परिसर को खाली करने और ढांचा हटाने के लिए छह हफ्ते का समय दे सकता है। पीठ ने कहा कि यदि कब्जाधारी अनधिकृत ढांचे खाली करने में विफल रहते हैं, तो पश्चिम रेलवे उपयुक्त कानूनी कार्रवाई शुरू करने या स्थानीय पुलिस की सहायता से इन ढांचों को जबरन हटाने के लिए स्वतंत्र होगी। अदालत ने कहा कि जिन अनधिकृत ढांचों के कब्जाधारियों को विध्वंस कार्रवाई में हटाया जाता है, उन्हें छह महीने के लिए प्रति माह 2,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 28 जनवरी को होगी।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com